CNEWS सिटी चीफ

# सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-286
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 19 जनवरी 2024

**आज का विचार**

*हमारा जीवन लंबा नही होना चाहिए बल्कि महान होना चाहिए*
*- डॉ. बी.आर.अम्बेडकर*

पेज-04

## नशे में हैवान बना पिता, नाबालिग बेटी से किया दुष्कर्म

***देहरादून।*** *पिता-पुत्री के पवित्र रिश्ते को कलंकित करते हुए एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी से शराब के नशे में दुष्कर्म कर दिया। यही नहीं, आरोपित ने उसे बुरी तरह से पीटा भी। पीड़िता की मां की तहरीर पर रायपुर थाना पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपित को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। दरअसल, रायपुर की रहने वाली एक महिला ने बुधवार को पुलिस को तहरीर दी। बताया कि वह अपने तीन बच्चों व पति के साथ किराये के मकान में रहती है। उसका पति प्रतिदिन शराब पीकर घर आता है और उन्हें पीटता है। मंगलवार रात करीब 12 बजे आरोपित ने शराब पी और बच्चों को पीटना शुरू कर दिया। कुछ देर बाद माहौल शांत हो गया। महिला व उसकी बड़ी बेटी एक साथ सो गए, जबकि 16 साल की बेटी छोटे भाई के साथ दूसरे पलंग पर सो गई, जबकि पति सोने के लिए दूसरे कमरे में चला गया। आधी रात में आरोपित कमरे में आया और 16 साल की बेटी को अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपित ने बेटी के शरीर पर कई जगह काटा भी। बेटी ने जब शोर मचाया तो वह और उसके दोनों बच्चे भी उठ गए। शिकायतकर्ता ने बताया कि जब उसने पुलिस को सूचना देनी चाही तो आरोपित ने सभी को पीटा। उन्होंने बताया कि आरोपित पहले भी बेटी के साथ दुष्कर्म कर चुका है, लेकिन बदनामी के चलते उसने घटना के बारे में किसी को नहीं बताया। रायपुर थानाध्यक्ष कुंदन राम ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। पीड़िता के बयान दर्ज किए गए हैं।*

**सोलापुर में बोले पीएम मोदी-**

# रामलला के टेंट में दर्शन करने की दशकों पुरानी पीड़ा दूर होने जा रही

***एजेंसी, सोलापुर।*** *प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के सोलापुर में कहा, 'ये समय हम सभी के लिए भक्ति-भाव से भरा हुआ है। 22 जनवरी को वो ऐतिहासिक क्षण आने वाला है, जब हमारे भगवान राम अपने भव्य मंदिर में विराजने जा रहे हैं। हमारे आराध्य के दर्शन टेंट में करने की दशकों पुरानी पीड़ा अब दूर होने जा रही है।' पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों में 2,000 करोड़ रुपए की विभिन्न अमृत परियोजनाओं का उद्घाटन किया।*

### प्राण प्रतिष्ठा से पहले मैं अपने नियमों में व्यस्त हूं- पीएम मोदी

*जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले कुछ संतों के मार्ग दर्शन में मैं अपने नियमों में व्यस्त हूं और उसका मैं कठोरता से पालन भी करता हूं। ये भी संयोग है कि इसकी शुरुआत महाराष्ट्र के नासिक से पंचवटी की भूमि से हुई। राम भक्ति से भरे इस वातावरण में आज महाराष्ट्र के एक लाख से ज्यादा परिवारों का गृह प्रवेश हो रहा है। महाराष्ट्र के ये एक लाख से अधिक परिवार भी 22 जनवरी को अपने पक्के घर में शाम को राम ज्योति प्रज्वलित करेंगे।*

### 22 जनवरी को ऐतिहासिक क्षण आने वाला है

अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले समारोह के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ये समय हम सभी के लिए भक्ति-भाव से भरा हुआ है। 22 जनवरी को वो ऐतिहासिक क्षण आने वाला है, जब हमारे भगवान राम अपने भव्य मंदिर में विराजने जा रहे हैं। हमारे आराध्य के दर्शन टेंट में करने की दशकों पुरानी पीड़ा अब दूर होने जा रही है।

**इंडिगो के यात्रियों ने जमीन पर बैठकर खाया खाना तो बोले ज्योतिरादित्य सिंधिया**

## सुरक्षा के साथ समझौता...जो पूरी तरह से अस्वीकार्य

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने मंगलवार को इंडिगो एयरलाइंस और मुंबई एयरपोर्ट के खिलाफ नोटिस जारी किया है. दरअसल, ये नोटिस सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद भेजा गया है. इस वीडियो में कई यात्री अपनी फ्लाइट के लेट होने के कारण रन-वे पर बैठ कर खाना खाते हुए नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें देखा गया था कि इंडिगो के हवाई यात्री एयरपोर्ट पर जमीन पर बैठकर खाना खा रहे हैं. इस वीडियो को देखने के बाद नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह कल्पना भी नहीं कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि सुरक्षा के साथ समझौता किया गया है, जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है. हैदराबाद में नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार (18 जनवरी) को कहा कि हवाई यात्रियों का टरमैक पर खाना खाना अस्वीकार्य, शर्मनाक है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का यह बयान नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो की ओर से इंडिगो पर 1.2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने के बाद आया है. केंद्रीय मंत्री का यह बयान उत्तर भारत में घने कोहरे के कारण विमान सेवा में देरी होने पर आया है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को इंडिगो एयरलाइंस और मुंबई एयरपोर्ट के खिलाफ नोटिस जारी किया है. दरअसल, ये नोटिस सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के बाद भेजा गया है. इस वीडियो में कई यात्री अपनी फ्लाइट के लेट होने के कारण रन-वे पर बैठ कर खाना खाते हुए नजर आ रहे हैं. केंद्रीय विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस क्षेत्र की गंभीर चिंताओं को दूर करने के लिए सोमवार को मंत्रालय के अधिकारियों के साथ देर रात बैठक बुलाई थी। इसके बाद नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने मंगलवार शाम तक इंडिगो और मुंबई एयरपोर्ट से इस पर जवाब भी मांगा था. बता दें कि सोशल मीडिया पर सोमवार को वायरल हुई तस्वीरों और वीडियो में यात्री मुंबई में एयरक्राफ्ट के नजदीक रन-वे पर बैठकर अपना खाना खाते हुए नजर आ रहे हैं. ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि रविवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर घना कोहरा था और इस वजह से कई फ्लाइट्स लेट हो गई थीं। उड्डयन मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि इंडिगो और मुंबई हवाईअड्डे दोनों ही स्थिति का अनुमान लगाने और हवाईअड्डे पर यात्रियों के लिए उचित सुविधा व्यवस्था करने में सक्रिय नहीं थे. मिनिस्ट्री ने दोनों पर परिस्थिति से निपटने में हुई चूक की ओर इशारा किया है।

## अयोध्या में राम लला की इसी मूर्ति के होंगे दर्शन

### 22 जनवरी को खुलेगी आंखों पर बंधी पट्टी

**एजेंसी, अयोध्या।** अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान जारी हैं। मुख्य कार्यक्रम 22 जनवरी को होगा। इस बीच, गर्भगृह से भगवान राम की मूर्ति की पहली तस्वीर भी सामने आई गई है। देर रात जारी तस्वीर में मूर्ति पूरी तरह ढकी हुई थी। वहीं शुक्रवार दिन में जारी तस्वीर में राम लला की आंखों पर सिर्फ पट्टी बंधी है। यह पट्टी 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद खोली जाएगी। भगवान राम की यह मूर्ति 51 इंच की है, जिसे श्यामल (काले) पत्थर से बनाई गई है। इसको मैसूर के मूर्तिकार अरुण योगीराज ने तैयार किया है। गर्भगृह में स्थापित राम लला की मूर्ति की नई तस्वीर सामने आई है। पहले जारी तस्वीर में यह मूर्ति पूरी तरह ढंकी हुई थी, लेकिन अब मूर्ति में राम लला की आंखों पर सिर्फ बंधी है। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पट्टी हटाई जाएगी।

## नदी में 'डूब' रहा था लड़का, लेकिन कुत्ते ने निभाई वफादारी!

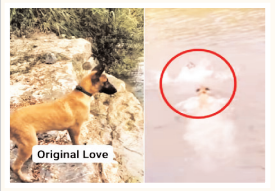


***नई दिल्ली।*** *ज्यादातर आपने खबरें सुनी होंगी कि आवारा कुत्ता लोगों पर अटैक कर देता है, तो कहीं लिफ्ट के अंदर बच्चों को नोंच खाता है. लेकिन इन सबके बावजूद दुनिया में कुत्तों को सबसे वफादार जानवर माना जाता है. आए दिन इसकी कई मिसाल देखने और सुनने को मिलती हैं. हाल ही में एक ऐसा ही अनोखा वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इंस्टाग्राम रील्स पर शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि डूबते हुए मालिक को बचाने के लिए कुत्ता कैसे पानी में छलांग लगा देता है. दरअसल, पालतू कुत्ते का मालिक अपने दोस्तों के साथ नदी में नहा रहा होता है, तभी वो कुत्ते की परीक्षा लेने लगता है. वह पानी में डूबने की एक्टिंग करता है, वहीं नदी में नहा रहा एक दोस्त मुस्कुराता हुआ नजर आ रहा है. लेकिन कुत्ता परेशान हो जाता है. पहले तो वो भौंकता है, इधर से उधर दौड़ता है. लेकिन कोई मदद मिलता न देख वो खुद नदी में छलांग लगा देता है. तैरते हुए वह अपने मालिक तक पहुंच जाता है. उसके पीछे-पीछे मालिक नदी के किनारे तरफ बढ़ता दिखाई देता है. कुत्ते के इस वफादारी को देखकर किसी का भी दिल पसीज जाए.बता दें कि इंस्टाग्राम यूजर मान दामोर द्वारा शेयर वीडियो को देखने के बाद आपको भी कुत्तों से लगाव हो जाएगा और आप भी कहेंगे कि वाकई में इनसे वफादार कोई दूसरा नहीं. खुद की जान की परवाह किए बिना उसका मकसद सिर्फ उस इंसान को बचाना है, जिसने उसे पाल रखा है. बता दें कि इस वीडियो को अब तक 84 हजार से ज्यादा लोगों ने लाइक किया है, वहीं 13 सौ से ज्यादा लोगों ने कमेंट किए हैं।*

## 14 बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन?

***गुजरात के वडोदरा में गुरुवार को नाव हादसे में 12 बच्चों समेत 14 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हादसे की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं और डीएम से 10 दिन में जांच रिपोर्ट तलब की है। सीएम पटेल ने गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के साथ वडोदरा के एसएसजी अस्पताल पहुंचकर पीड़ितों से मुलाकात की।***

### बोट हादसे में 18 के खिलाफ एफआईआर

16 की कैपेसिटी वाली नाव में 31 बैठाए, 12 स्टूडेंट्स समेत 14 की मौत हुई

*वडोदरा शहर के बाहरी इलाके में गुरुवार को स्कूली बच्चों को सैर कराने ले जा रही नाव हरणी मोटनाथ झील में पलट गई थी। इस हादसे में 12 छात्रों और दो शिक्षकों की मौत हो गई, जबकि 18 छात्रों और दो शिक्षकों को बचा लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, दोपहर में यह हादसा हुआ। नाव में क्षमता से अधिक लोग सवार थे। स्कूली बच्चे नदी पर पिकनिक मनाने आए थे। वडोदरा के डीएम एबी गौड़ ने कहा कि नाव की क्षमता 16 लोगों की थी, पर 34 लोग सवार थे। गुजरात के मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि हमें पता चला है कि नाव पर सवार सिर्फ 10 छात्र ही लाइफ जैकेट पहने हुए थे। जिससे पता चलता है कि संचालकों की लापरवाही के कारण इतना बड़ा हादसा हुआ।*

# अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले दो संदिग्ध युवक गिरफ्तार

**अयोध्या ।** रामनगरीमें चल रही सतर्कता के बीच दो संदिग्ध युवक पकड़े जाने की सूचना है। आतंकवाद निरोधक दस्ते ने युवकों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए युवक राजस्थान के निवासी बताए गए हैं। इनकी गिरफ्तारी यहां पहुंची लखनऊ एटीएस की टीम ने की है। युवकों के बारे में एटीएस ने कोई जानकारी साझा नहीं की है। इन्हें रामनगरी की सीमा से गिरफ्तार किया गया है, लेकिन स्थान को सार्वजनिक नहीं किया गया है। रामनगरी में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर इन दिनों केंद्रीय एवं राज्य की खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हैं। एटीएस, एसटीएफ सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने भी रामनगरी में निगरानी बढ़ा दी है। बता दें, प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में आ रहे पीएम मोदी की सुरक्षा के अभूतपूर्व प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं। रामजन्मभूमि परिसर में एसपीजी की एक टीम ने डेरा डाल दिया है। परिसर में पीएम से जुड़े आयोजन के प्रबंध एसपीजी की निगरानी में हो रहे हैं। परिसर के अंदर से लेकर संपूर्ण रामनगरी में परिंदा भी पर न मार सके, ऐसे प्रबंध सुरक्षा एजेंसियां सुनिश्चित कर रही हैं। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव और पीएम सुरक्षा की समीक्षा करेंगे सीएम योगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शुक्रवार को रामनगरी पहुंच रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं पीएम सुरक्षा की वह समीक्षा करेंगे। सुरक्षा विस्तार की नई कड़ी में रूप में सुरक्षा मुख्यालय से भी 300 सुरक्षा कर्मियों की टीम उपलब्ध कराई गई है, जिन्होंने रामनगरी में अपना दायित्व संभाल लिया है। कमांडो की भांति विषम परिस्थितियों से निपटने में दक्ष इन जवानों को परिसर के अंदर से लेकर रामनगरी में संवेदनशील स्थानों तक पर तैनात किया जाएगा। आतंकवाद निरोधक दस्ते के भी 100 से अधिक कमांडो यहां पहुंच चुके हैं। कश्मीर सहित अन्य आतंकवाद एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में प्रयुक्त होने वाले बुलेट आर्म्ड व्हीकल इन्हें उपलब्ध कराये गये। हैं। ये वाहन बम विस्फोट तक को झेलने में सक्षम हैं।

**सावधान जाहिर सूचना**

**ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

## सिंगल कॉलम

### मां हो गई अयोध्या... देह भई कौशल्या, अधरों पर सबके राम नाम का जाप

अयोध्या। सदियों से समय की गति को टकटकी लगाए देख रही अयोध्या अब अचानक ठहर-सी गई है। यों सड़कों, घाटों, मंदिरों, मठों में चहल-पहल का अहर्निश आकाश रचा जा रहा है, किंतु अयोध्या के मन में अब विश्रांति का भाव है...। एक शांति, जिसकी प्रतीक्षा में साकेत नगरी की आंखें सदियों से पथराई हुई थीं। अवध अब सरयू की धार की तरह मंथर होती जाती है। रामनगरी की धमनियों, शिराओं में रक्त का उबाल अब सम पर आन चला है। अयोध्या अब राजनीति, न्यायालय, नारों और तनी हुई मुट्ठियों को बहुत पीछे छोड़ चुकी। अब तो यहां अनुष्ठानों के नव-आख्यान रचे जा रहे हैं। बटुकों के कोकिल कंठ से सरयू की तरह बह रहे सस्वर मंत्रों की अनुगूंज है। संतों के पुण्य का प्रतिफल वायुमंडल में तैर रहा है। गृहस्थों के तप और त्याग से यहां दीप प्रज्वलित हो उठे हैं। मठों-मंदिरों से लेकर घाटों-गलियारों तक में अदृश्य दुंदुभियां बजने लगी हैं।शंख अपनी मंगल ध्वनि से व्योम को गुंजा रहे हैं। घंटों के पवित्र नाद ने हर विधर्मी शोर को परास्त कर दिया है। अब तो अवध में देवी-देवताओं के आगमन का समय है। पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमते हुए भी रह-रहकर ठिठक जाती है और पलट-पलटकर अयोध्या का वैभव देख रही है। दिन में समूचा आकाश और रात्रि में सारा तारामंडल अवध को झगर-मगर सजा रहा है। यह सब देखकर यायावर अश्रुपूरित और भावविह्वल है। आंसू रोके नहीं रुक रहे। उसकी स्मृति में इतिहास कौंध रहा है। कभी वह आज की अवध के वैभव को देखता है, तो कभी इस वैभव को लाने के लिए अपने रक्त, प्राण, मज्जा और देह की आहुतियां मांग लेने वाले क्रूर समय को। यायावर को याद आता है कि आज सजी-धजी इसी अवध की गलियों में चली थीं गोलियां, बिछे थे कारसेवकों के शव और सरयू के घाट पर डुबो दिए गए थे राम के भक्त। डुबोते समय उनके पांवों में बांध दी गई थीं रेत की बोरियां कि कहीं शव सतह पर आकर क्रूर राजनीति को नग्न न कर दें। श्रीराम जन्मभूमि के सामने एक ओटले पर अकेले बैठे यायावर का मन उस कालखंड को याद करके खंड-खंड हो रहा है। ...कि तभी आकाश में गड़गड़ाहट सुनाई दी है। वह देखता है कि श्रीराम के अनुष्ठान के लिए विमान चले आ रहे हैं। देवता अपने-अपने रथों, विमानों, वाहनों पर घर्घर नाद के साथ अहर्निश अयोध्या आ रहे हैं। अवध का आकाश अब देवताओं द्वारा की जाने वाली पुष्पवर्षा के लिए सन्नद्ध हो रहा है। इधर, धरती अपनी कोख में चमक रहे सभी रत्न, स्वर्ण, मणि-माणिकों को उगलकर अयोध्या के चरणों में चढ़ा देना चाहती है। सप्तसागरों ने अपने जल से अयोध्या के चरण पखार दिए हैं। सप्तपुरियां सगी बहनों की तरह अयोध्या के अनुष्ठान का आनंद बढ़ाने चली आई हैं। संसारभर के ताल-तलैया अपने पानी में खिले कमल को रामनगरी को भेंट करने के लिए कतारबद्ध होकर खड़े हैं। कामधेनु के नेतृत्व में इस सृष्टि की सभी गायें अपने दुग्ध से अवध का अभिषेक करने के लिए दौड़ी चली आ रही हैं। उनकी पदचाप से जो पवित्र धूल उड़ी है, उसने अयोध्या के ललाट पर मलय का लेप कर दिया है। काशी, केदार, महाकाल, ओंकार आदि सब मंदिरों से आए कुमकुम ने अयोध्या के माथे पर मंगल तिलक लगा दिया है। सृष्टि के सभी पंछी, जीव-जंतु आदि प्राणियों की दृष्टि अब अवध की ओर है। सब अपने-अपने अंतःपुरों में धोती-पंछा-शोला पहनकर आसन जमाए बैठ गए हैं। अधरों पर सबके राम नाम का जाप है, कंठों से सबके रामधुन की सरिता बह रही है। यह सब देख-देखकर अवध भी अश्रुपूरित है। वह कभी भावविह्वल होकर स्वयं को देखती है, तो कभी अपने चरणों में आ चुकी सृष्टि को। कभी वह अपने लाड़ले राम के स्वागत में पुलक से भर जाती है, तो कभी शबरी जैसी प्रतीक्षा में फूल बिछाने लगती है। अयोध्या सदियों बाद अपने पुत्र राम के आगमन पर भावविभोर मां हुई जाती है। उसकी देह में दूध उतर आया है। वह अब कौशल्या हो गई है। यह सब देखकर यायावर इतना धन्य है कि इसी मंगल क्षण में मनुष्य की देह तजकर अनंत अयोध्या की रज में विलीन हो जाना चाहता है।... कि अब इस इंसानी देह में जीना व्यर्थ है। अब सारा अर्थ अयोध्या हो जाने में है, अवध की धूल में मिल जाने में है, सरयू का सत्व हो जाने में है। उसके मन में अब यही चौपाई गूंज रही है... तौ मैं बिनय करउं कर जोरी। छूटउ बेगि देह यह मोरी।

### इंदौर में वर्ल्ड में 2200 वर्गफीट की दीवारों पर दिखेगी रामगाथा की चित्रकला

इंदौर। सात दिनों से शहर के 160 सीबीएसई स्कूलों के हजारों विद्यार्थियों ने मिलकर रामगाथा पर करीब 40 हजार चित्रकला तैयार की है। शुक्रवार को दशहरा मैदान पर 2200 वर्गफीट की दीवारों पर रामगाथा की चित्रकलाएं चरणबद्ध तरीके से प्रदर्शित की जाएगी। वर्ल्ड रिकार्ड का तमगा भी मिलेगा। राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर एसो. आफ अनएडेड सीबीएसइ स्कूल, सहोदया और नगर निगम द्वारा इस आयोजन को तैयार किया गया है।एसोसिएशन आफ अनएडेड सीबीएसई स्कूल के अध्यक्ष अनिल धूपर ने बताया कि सीबीएसइ स्कूलों के विद्यार्थियों द्वारा भगवान राम के जीवन पर आधारित 40 हजार चित्र तैयार किए गए हैं। शुक्रवार को दशहरा मैदान पर 2200 वर्गफीट की दीवारों पर ये चित्र लगाएं जाएंगे। दोपहर 1 बजे इस आयोजन का वर्ल्ड बुक आफ रिकार्ड, एशिया बुक आफ रिकार्ड और गोल्डन बुक आफ रिकार्ड की टीम निरीक्षण करेगी। इस दौरान अलग-अलग स्कूलों के दो हजार विद्यार्थियों सहित 500 शिक्षक मौजूद रहेंगे। दोपहर 2 बजे से यह प्रदर्शनी आमजन के लिए शुरू हो जाएगी। महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने बताया कि अब तक एकसाथ 26 हजार पेंटिंग प्रदर्शित करने का रिकार्ड है। हमारी कोशिश है कि 40 हजार पेंटिंग प्रदर्शित की जाए।

# इंदौर के सबसे अमीर विनोद अग्रवाल को अयोध्या में मिली 20 करोड़ की जमीन

## राम भक्तों की सुविधा के लिए होगा यह काम

**सिटी चीफ इंदौर।**

श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में विकास कार्यों के लिए शासकीय स्तर पर भूमि आवंटन का प्रथम चरण पूरा हो चुका है। इसमें शहर के उद्योगपति व समाजसेवी विनोद अग्रवाल के बालाजी सेवार्थ को 20 करोड़ रुपये की भूमि का आवंटन किया गया है। इस भूमि पर तीर्थयात्रियों की सुविधा और सेवा के लिए 75 हजार वर्गफीट में सामुदायिक भवन व अन्य निर्माण कार्यों की योजना है। भूमि आवंटन मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट नव्य अयोध्या भव्य अयोध्या के अंतर्गत ग्रीनफील्ड आवासीय योजना के पहले चरण के तहत किया गया है।इसके तहत कुल 1407 एकड़ भूमि का विकास किया जाएगा। योजना के अनुसार ग्रुप हाउसिंग से लेकर अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, विभिन्न राज्यों, कमर्शियल एरिया और मठ एवं धर्मशालाओं के लिए भूमि आवंटित की जाएगी। दुनियाभर से लोगों ने इसके लिए आवेदन किए थे, जिसमें से प्रथम चरण के अंतर्गत बालाजी सेवार्थ को चुना गया है। उल्लेखनीय है कि बालाजी सेवार्थ के अंतर्गत विगत कई वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, धर्म व आध्यात्म के क्षेत्रों में विभिन्न सेवा गतिविधियां संचालित की जा रही है। इसमें महाकाल की नगरी उज्जैन में बना अन्नक्षेत्र भी शामिल है। अयोध्या में

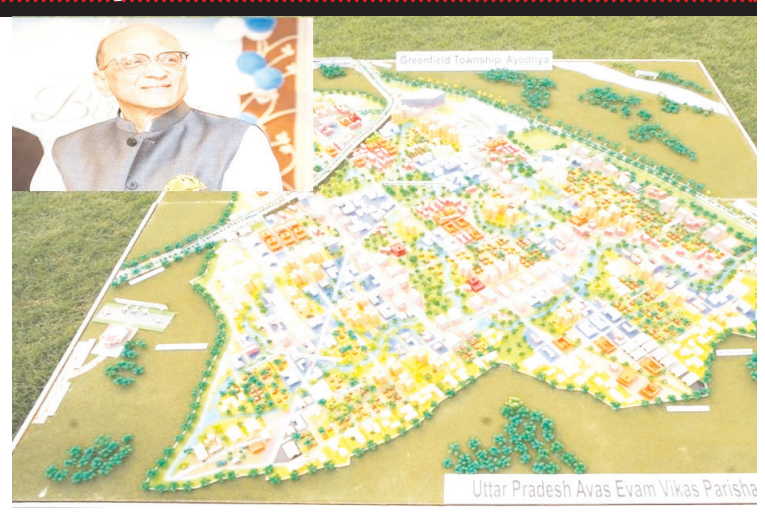


दर्शन व पर्यटन के लिहाज से आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या में और बढ़ोतरी होगी। ऐसे में उनके ठहरने के लिए सुविधायुक्त स्थान की आवश्यकता को देखते हुए सामुदायिक भवन के निर्माण की योजना बनाई गई है। भक्तों को सरयू नदी में स्नान के लिए ज्यादा दूरी नहीं तय करनी पढेगी इस परियोजना में पवित्र पुण्यदायिनी सरयू नदी को इस तरह से प्लाट्स के बीच से बहने की जगह बनाई गई है कि भक्तों को स्नान के लिए ज्यादा दूरी तय न करनी पड़े। रामलला के मंदिर से मात्र तीन किलोमीटर की दूरी पर उत्तरप्रदेश आवास विकास परिषद द्वारा, लखनऊ-अयोध्या हाइवे पर यह स्थान धार्मिक व सांस्कृतिक संस्थानों के लिए विशेष रूप से आवंटित किए गए हैं। इस भूमि आवंटन के अलग अलग सेग्मेंट्स के लिए दुनियाभर से नामांकन आमंत्रित किये गए थे , जिनको उनके द्वारा चलाये जा रहे अभियानों, उनके योगदान और सहयोग कार्यों का आंकलन एक विशेष कमेटी द्वारा किया गया। एक कठिन चयन प्रक्रिया के बाद चुने गए संस्थानों में बालाजी सेवार्थ का नाम शामिल हुआ है। यह इंदौर के लिए गौरव की बात है।

# इंदौर में 350 साल से पुराने राम मंदिर ने छह साल में धरा नवीन स्वरूप

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। शहर के 350 साल पुराने प्राचीन राम मंदिर खातीपुरा राम भक्तों के बीच आस्था का केंद्र है। इस मंदिर ने अब नवीन स्वरूप धारण कर लिया है। आयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का उल्लास भी छाया हुआ है। तल मंजिल पर भगवान राम-सीता और लक्ष्मणजी की पुरानी मूर्तियां भी विराजमान हैं। ये मूर्तियां मंदिर की स्थापना से यहां हैं।मंदिर को नवीन स्वरूप देने का कार्य 2018 से शुरू हुआ, जो अब पूर्णतः की ओर है। छह साल में दो करोड की अनुमानित राशि से मंदिर को आकार दिया गया है। मंदिर को सफेद संगमरमर से बनाया है। अब मंदिर में राम-लक्ष्मण और सीता की नई मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। मूर्तियां जयपुर में तैयार की गई हैं। राम मंदिर पंचकुइया की तरह भगवान राम का वर्ण श्याम है। सवा तीन फीट की यह मूर्ति प्रसन्न और ध्यान मुद्रा में है। भगवान के मस्तक पर रामानंद संप्रदाय का तिलक है। इस मूर्ति के लिए पत्थर नेपाल से लाया गया है। **अयोध्या की तर्ज पर बनेगा महोत्सव** महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज ने बताया कि मंदिर को अयोध्या के राम मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है। अयोध्या की तर्ज पर बने 300 वर्ष प्राचीन खातीपुरा श्री राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 27 जनवरी से होगा शुरू, सात दिनों तक श्रीमद् भागवत कथा का भी आयोजन प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव 27 जनवरी से आयोजित किया जाएगा। इसमें 27 जनवरी से दो फरवरी तक आयोजित किया सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा जगद्गुरु द्वाराचार्य मलूकपीठाधीश्वर डा. राजेंद्रदास देवाचार्य महाराज के मुखारविंद से अभय प्रशाल में होगी।

# इंदौर में दो माह में छह लोग कार्डियक अरेस्ट के शिकार

## विशेषज्ञों ने कहा- धूमपान सबसे बड़ा कारण

इंदौर। युवा अवस्था में हृदयाघात का सबसे बड़ा कारण धूमपान माना जा रहा है। आजकल बड़ी संख्या में युवा इसकी चपेट में आ चुके हैं। कोरोना के बाद से युवाओं में हृदय संबंधित समस्या बढ़ने लगी है। तीन वर्ष पहले जहां 20-30 प्रतिशत युवा मरीज हृदय संबंधी बीमारियों के आते थे, लेकिन यह संख्या बढ़कर अब 50 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यह काफी चिंताजनक है। वहीं बात करें एमजीएम मेडिकल कालेज के अधीन सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल की तो यहां वर्ष 2021 से अब तक 2700 से अधिक लोगों की एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी हो चुकी है। हृदय रोग विशेषज्ञ डा. मनीष पोरवाल ने बताया कि आम दिनों में पांच में से एक मरीज युवा अवस्था का हृदय से संबंधित बीमारियों के लिए आता है, लेकिन पिछले दो-तीन माह से चार में से एक मरीज आ रहा है। कई बार लोग हृदय में हो रहे दर्द को गैस संबंधी समझ लेते हैं, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। ठंड के दिनों में हृदय को अधिक पंपिंग करना होती है।यदि किसी भी व्यक्ति को थोड़े ब्लाकेज भी होते हैं तो हृदय पंपिंग कम करता है। ठंड में नसें भी सिकुड़ जाती हैं। युवा अवस्था में कोरोना के बाद मरीजों की संख्या बढ़ी है। पढ़ाई का तनाव, परिणाम का तनाव आदि भी अब बढ़ गया है। वहीं धूमपान भी हृदय रोग होने की आशंका बढ़ा देता है। लक्षण आए बिना भी होता है कार्डियक अरेस्ट हृदय रोग विशेषज्ञ डा. एडी भटनागर ने बताया कि कई बार लक्षण भी नहीं आते हैं और कार्डियक अरेस्ट आ जाता है। इससे बचाव के लिए हमें समय पर ब्लड, कोलेस्ट्रोल, ईसीजी आदि जांच करवा लेना चाहिए, ताकि बीमारी को समय पर रोका जा सके। साइलेंट अटैक अरिथिमिया के कारण भी आता है। इसमें तेजी से हृदय पंपिंग करने लग जाता है। इस बात को लेकर भी लोगों में जागरूकता की आवश्यकता है कि यदि परिवार में यदि किसी व्यक्ति को हार्ट अटैक आया है तो अन्य लोगों को भी जांच करवा लेना चाहिए। हृदय संबंधित बीमारियों के कई जोखिम कारक हृदय रोग विशेषज्ञ डा. सिद्धांत जैन ने बताया कि आजकल जीवनशैली में काफी बदलाव हो गया है। इसके लिए हृदय संबंधी बीमारियों के कई जोखिम कारक हो सकते हैं। पहले हम एक दिन में 30-40 मरीज देखते थे, लेकिन अब 70 मरीज रोज देखते हैं। 50 वर्ष के कम आयु वालों को भी हृदय संबंधित समस्या अब अधिक होने लगी है। पिछले तीन वर्षों में यह संख्या 50 प्रतिशत हो गई है।

# इंदौर जिले में बढ़ेगी औषधीय पौधों की खेती

## किसानों को करेंगे जागरूक

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर जिले में पारंपरिक फसलों के अलावा बागवानी की फसलें बड़ी मात्रा में उगाई जाती हैं। विगत के कुछ वर्षों में जिले में औषधीय पौधों की खेती भी शुरू कराई गई। इससे किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी हुई। अब कृषि विभाग औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के लिए अभियान चलाकर किसानों को जागरूक करेगा। वर्तमान में 100 के करीब किसान अश्वगंधा, अरकरा, कुसुम और चिया की खेती कर रहे हैं।कलेक्टर कार्यालय में बुधवार को कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में कृषि तकनीकी प्रबंध संस्था (आत्मा) गवर्निंग बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। इसमें कलेक्टर सिंह ने औषधीय पौधों की खेती के लिए किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए किए इसकी जानकारी किसानों तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाया जाए। गौरतलब है कि औषधीय पौधे कई बीमारियों में उपयोग किए जाते हैं। इस कारण इनकी बाजार में मांग

अधिक होती है। इनके अधिक मूल्य पर बिकने से किसानों को अधिक लाभ प्राप्त होता है। 1.15 लाख क्विंटल बिकी कुसुम पंखुड़ी जिले में विगत वर्ष कुसुम की खेती 15 किसानों को प्रेरित कर शुरू कराई गई थी। कुसुम की पंखुडियां 1.15 लाख रुपये क्विंटल में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा नीमच में बिकवाई। इसके अतिरिक्त इसके बीज भी किसानों ने बेचे। कुसुम के फूल की चाय का सेवन करने से कोलेस्ट्रोल कम होता है। इसकी चाय ग्रीन टी की तरह बनती है। वर्तमान में जिले में 25 किसान इसकी खेती कर रहे हैं। 30 किसानों ने लगाया चिया इस बार आत्मा द्वारा नवाचार करते हुए किसानों को चिया की खेती करने के लिए प्रेरित किया है। इसका बीज बहुत महंगा बिकता है। यह सुपर फूड के रूप में उपयोग होता है। इसकी खासियत यह है कि बिना दवाई के चिया की पैदावर हो जाती है। शरीर के लिए उपयोगी होने से इसकी मांग बहुत रहती है।

# इंदौर के मरीमाता और बड़ा गणपति चौराहे पर 72 करोड़ रुपये की लागत से बनेंगे फ्लाईओवर

**सिटी चीफ इंदौर।**

विधानसभा क्षेत्र इंदौर एक में पहली बार दो चौराहों पर एक साथ फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। बड़ा गणपति और मरीमाता चौराहे पर बनने वाले फ्लाईओवर का इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) ने सर्वे पूरा कर लिया है। दोनों चौराहे पर फ्लाईओवर के निर्माण की लागत 72 करोड़ के करीब आएगी। दोनों चौराहों पर फ्लाईओवर के नीचे पिलर नहीं आएंगे। इससे आवागमन आसानी से चलता रहेगा।आइडीए द्वारा यातायात सुगमता के लिए मरीमाता चौराहा और बड़ा गणपति चौराहा पर फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। मरीमाता चौराहे पर किला मैदान की तरफ से पोलोग्राउंड तक 592 मीटर लंबा फ्लाईओवर बनाया जाएगा। इसकी लागत 39.88 के करीब तय की गई है। इसके नीचे पिलर नहीं आएगा। 45 मीटर लंबे स्टील गर्डर से बने स्पान लगाए जाएंगे, जबकि

बड़ा गणपति पर अंतिम चौराहे की तरफ से जिंसी की तरफ फ्लाईओवर उतरेगा। इसकी लंबाई 543 मीटर रहेगी और इसकी अनुमानित लागत 33.1 करोड़ तय की गई है। आइडीए सीईओ आरपी अहिरवार ने बताया कि दोनों फ्लाईओवर पर दोनों तरफ फुटपाथ भी बनाए जाएंगे। इसका सर्वे पूरा कर लिया है। अब टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। **18 महीने में तैयार होंगे** आइडीए द्वारा दोनों ही चौराहों पर फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। इन चौराहों पर फ्लाईओवर बनाने की समय सीमा 18 माह तय की गई है। सर्वे पूरा होने के बाद अब मिट्टी परीक्षण शुरू किया जा रहा है। मरीमाता चौराहे पर फ्लाईओवर बनाए जाने से एयरपोर्ट रोड की तरफ से आना वाला यातायात बिना बाधा के पोलोग्राउंड की तरफ निकल जाएगा, जबकि सदर बाजार जाने वाले वाहन नीचे से आसानी से गुजर सकेंगे। **इस वर्ष पूरे होंगे चार फ्लाईओवर** आइडीए द्वारा खजराना, भंवरकुआं, फूटी कोठी और लवकुश चौराहे पर बनाए जा रहे फ्लाईओवर इस वर्ष पूरे बना दिए जाएंगे। सभी फ्लाईओवर के पिलर बनाए जा चुके हैं। खजराना, लवकुश और फूटी कोठी पर गर्डर की लांचिंग भी शुरू कर दी गई है। खजराना चौराहे पर मार्च तक एक भुजा शुरू कर दी जाएगी। वही फूटी कोठी चौराहे पर जून तक काम पूरा हो जाएगा। भंवरकुआं और लवकुश चौराहे का निर्माण साल के अंत तक पूरा होगा।

# 137 केंद्रों पर 88 हजार 566 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

**सिटी चीफ इंदौर।**

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाएं 5 फरवरी से 5 मार्च तक होंगी। 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं को लेकर इस बार 137 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। इनमें 88 हजार 566 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। पिछले साल की तरह इस बार भी शिक्षा विभाग ने 137 केंद्र में से कई केंद्र निजी स्कूलों को बना दिए हैं।इस बार 10वीं बोर्ड परीक्षा में 49 हजार 415 और 12वीं में 39 हजार 151 परीक्षार्थी शामिल होंगे। जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास ने बताया कि सभी स्कूलों में कोर्स पूरा हो चुका है। अब विद्यार्थियों को जिन चेप्टर में दिक्कत आ रही है, उन्हें दूर किया जा रहा है। टेस्ट भी लिए जा रहे

हैं। 53 निजी स्कूल बने परीक्षा केंद्र -हर साल की तरह इस बार भी बोर्ड परीक्षा केंद्र को लेकर लापरवाही बरती गई है। पर्याप्त सरकारी स्कूल भवन होने के बाद भी विभाग द्वारा 137 परीक्षा केंद्र में से 53 केंद्र निजी स्कूल भवन में बनाए गए हैं। वहीं 12 केंद्र अनुदान प्राप्त स्कूलों को बनाया गया है। परीक्षार्थियों को अब तक प्रवेश पत्र भी नहीं मिले हैं।

# इंदौर-खंडवा-एदलाबाद हाईवे के लिए तीन महीने रात में निर्माण कार्य को हरी-झंडी

**सिटी चीफ इंदौर।**

इंदौर। इंदौर-खंडवा-एदलाबाद हाईवे का निर्माण जल्द पूरा किए जाने को लेकर फिर एक बार नियमों को ताक पर रख दिया। वन विभाग ने रात में सुरंग के भीतर काम करने की अनुमति दी। इस बार भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) पर कुछ पाबंदी लगाई है। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि सुरंग के बाहर काम करने पाया जाता है तो अनुमति को निरस्त कर दिया जाएगा। विभाग ने तीन महीने काम करने की छूट दी है। अधिकारियों के मुताबिक निर्माण कार्य को लेकर वनकर्मियों को निगरानी करने के निर्देश भी दिए है।दरअसल सड़क निर्माण को लेकर चोरल के जंगलों में काम किया जा रहा है, जिसमें दो स्थानों पर सुरंग बन रही है। यहां काम करने के लिए पहले वन विभाग मुख्यालय से

एपीसीसीएफ एचएस मोहंता ने अक्टूबर में अनुमति दी। उस दौरान तत्कालीन डीएफओ नरेंद्र पंडवा ने चोरल को वन्यप्राणी के लिहाज से चोरल को संवेदनशील नहीं बताया। जबकि दिसंबर 2021 में इन्होंने ही जंगल में बाघ की मौजूदगी बताई थी। काफी विरोध के बाद विभाग ने अनुमति आगे नहीं बढ़ाई। बावजूद इसके एजेंसी मेघा कंस्ट्रक्शन ने नियमों का उल्लंघन कर काम किया। दिसंबर एपीसीसीएफ मोहंता ने निरीक्षण किया। बाद में एनएचएआइ की तरफ से चार स्थानों पर रात में काम करने की इच्छा जताई, लेकिन सिर्फ दो स्थानों पर काम करने की अनुमति दी। दोनों स्थानों पर मिलकर एनएचएआइ सिर्फ 5.3 किमी हिस्से में काम कर सकता है। 23 दिसंबर को विभाग ने रात में काम करने की छूट दी। यह अनुमति तीन महीने तक दी। प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुमेश बांझल का कहा कि सुरंग के भीतर काम करने की प्राथमिकता है। धीरे-धीरे बाकी सेक्शन में भी रात में काम किया जाएगा। इसके लिए वन विभाग को पहले ही आवेदन कर रखा है।

**नहीं बनाना होगा अलग रास्ता** अनुमति देने के अलावा विभाग ने कुछ शर्तें भी रखी है, जिसमें निर्माण कार्य के दौरान एजेंसी जंगल में अन्य कोई रास्ता नहीं बना सकती है। साथ ही कम से कम पेड़ काटे जाए। वन्यप्राणियों के लिए मार्ग में सबवे बनाना होगा। वनसंपदा को नुकसान नहीं पहुंचा सकते है।

# निगम अमला श्वान वैक्सीनेशन और नसबंदी में लाए तेजी, संभागायुक्त ने दिए निर्देश

**सिटी चीफ भोपाल।**

नगर निगम का अमला लगातार सक्रिय रहकर आवारा श्वान का वैक्सीनेशन करे और नसबंदी के काम में तेजी लाएं। हमीदिया अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में एंटी रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध रहें और रहवासी संघों से सहयोग लेकर आवारा श्वान पर अंकुश लगाया जाए। यह निर्देश संभागायुक्त डा. पवन कुमार शर्मा ने गुरुवार को कलेक्टर और निगमायुक्त के साथ बैठक लेते हुए दिए हैं। उन्होंने कहा कि आवारा श्वानों के काटने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। साथ ही नगारिकों के लिए भी एडवाइजरी जारी की जाए। बैठक में कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, निगमायुक्त फ्रैंक नोबल ए और स्वास्थ्य एवं पशु चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे।संभागायुक्त ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में आवारा श्वानों के आक्रामक होने और नागरिकों के काटने के आंकड़ों की समीक्षा में

सामने आया है कि हर वर्ष दिसंबर एवं जनवरी में सबसे अधिक घटनाएं होती हैं। उप संचालक चिकित्सा ने बताया कि ठंड के अलावा इन दिनों खाने की कमी और नवजात पिल्लों की सुरक्षा को लेकर भी मादा श्वान आक्रामक होते हैं।इस दौरान डाग के वैक्सीनेशन और नसबंदी के कार्य की समीक्षा की।इसके अलावा आवारा श्वानों के काटने की घटना के बारे में लोग नगर निगम के काल सेंटर 155304 नंबर पर जानकरी दे सकते हैं।

**इन बातों का रखें ध्यान**

उप संचालक पशु चिकित्सा डा. अजय रामटेके ने बताया कि मौसम के तापमान मे गिरावट होने, ब्रीडिंग सीजन होने एवं आवारा श्वानों को खाने की कमी की वजह से ऐसी घटनायें परिलक्षित हो रही हैं। इसलिए आमजन बच्चों को समझाइश दें कि आवारा श्वानों से समुचित दूरी बनाकर चलें । ऐसी मादा श्वान जिसके पास उनके बच्चें हों, उनसे भी दूरी बनाकर रखें अन्यथा असुरक्षित महसूस करने व अपने बच्चों को बचाने के लिए वह काट भी सकती है। कुत्तों से अनावश्यक छेड़छाड़ न करें। उनके ऊपर पत्थर न मारें अथवा उन्हें परेशान न करें। पशुप्रेमी चलाएं पेट एडाप्शन मुहिम उन्होंने कहा कि पशु प्रेमी पेट एडाप्शन मुहिम चलाएं ताकि वह पेट्स का सही ख्याल रख पाएं।समय पर टीकाकरण व नसबंदी कराएं जिससे उन्हे समुचित रूप से खाना मिल पाए। आवारा श्वानों को यहां वहां खाने के लिये न देकर कालोनी के सबसे कम भीड़भाड़ वाला एक स्थल निश्चित करके वहीं पर फीडिंग कराएं ताकि आने जाने वालो को परेशानी न हो, जिससे काटने की दुर्घटना को रोका जा सकता है।

# 1100 मेगावाट सोलर एनर्जी से ग्रीन केपिटल बनेगा भोपाल

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल को सोलर सिटी बनाने और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए शीघ्र ही 1100 मेगावाट सोलर एनर्जी यूनिट की स्थापना की जाएगी। सभी 21 जोन में जागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को अपने आवास की छतों पर सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित करें। इसके अलावा स्कूल, कालेज और शासकीय कार्यालयों आदि में सोलर पैनल लगाए जाएं। यह बात संभागायुक्त डा. पवन कुमार शर्मा ने गुरुवार को संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान कही।दो माह में लगेंगे 25 हजार सोलर पैनल

बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री ने भोपाल के अलावा इंदौर और उज्जैन नगर को सोलर सिटी बनाने के निर्देश दिए हैं ।

इसके बाद से अब इस पर काम शुरू किया जाना है। उन्होंने बताया कि दो महीने में लगभग 25 हजार स्थानों पर सोलर पैनल लगाने के प्रयास किए जाएंगे । भोपाल में वर्तमान में दो हजार मेगावाट विद्युत की खपत है। बैठक में महापौर मालती राय, प्रमुख सचिव ऊर्जा संजय दुबे, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, ऊर्जा विकास निगम के एमडी गणेश शंकर, आयुक्त नगर निगम फ्रैंक नोबल ए सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

# बिड़ला संग्रहालय में देखें रामायण पर केंद्रित प्रदर्शनी मानव संग्रहालय में करें मनसा घट का अवलोकन

**सिटी चीफ भोपाल।**

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शुक्रवार 19 जनवरी को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।रामायण प्रदर्शनी – जीपी बिड़ला संग्रहालय में रामायण के कथानकों पर केंद्रित आठ दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में कम्बोडिया, इंडोनेशिया और थाईलैंड के मंदिरों में रामायण के अनेक कथानकों का चित्रण कुल 125 चित्रों में समाहित किया गया है। इसके साथ ही भारतीय संस्कृति में गजलक्ष्मी, भगवान विष्णु, नागराज, इंद्र, गरूड़, समुद्र मंथन के चित्रों को प्रदर्शित किया है। देवी सीता हरण और राम-रावण युद्ध सहित रामायण के विभिन्न प्रसंगों को भी शामिल है। ये प्रदर्शनी अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है। इस प्रदर्शनी को सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक देखा जा सकता है।

माह का प्रादर्श – इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मावन संग्रहालय के वीथि संकुल में माह का प्रादर्श के

रूप में टेराकोटा पात्र पर चित्रित मनसा घट को प्रदर्शित किया गया है। बंगाली लोक कला के इस शानदार नमूने का अवलोकन सुबह 11 बजे से शाम छह बजे तक किया जा सकता है।

चित्र प्रदर्शनी – मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में भील चित्रकार मुकेश बारिया के चित्रों की प्रदर्शनी सह-विक्रय किया जा रहा है। प्रदर्शनी को दोपहर 12 बजे से शाम सात बजे तक देखा जा सकता है।

काव्यांजलि- जनजातीय संग्रहालय में मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम राम पर आधारित व्याख्यान, कव्वाली एवं काव्यांजलि का आयोजन। समय- शाम पांच बजे से।

वर्दी का संगीत – मप्र पुलिस के जवान वर्दी का संगीत सुनाएंगे। वह शहर के एमपी नगर स्थित एक बड़े माल में शाम सात बजे से वर्दी का संगीत कार्यक्रम पेश करेंगे। इस दौरान पुलिस के गौरवशाली बैंड दल की संगीतमय प्रस्तुति होगी। इसके बाद 20 जनवरी को बोट क्लब में शाम पांच बजे से यह प्रस्तुति दी जाएगी।

**मप्र के कई जिलों में घने कोहरे का असर**

# जानिये अब कैसा रहेगा मौसम का मिजाज

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल। उत्तर भारत में सर्द हवाओं के सक्रिय होने से पूरे प्रदेश में रात के तापमान में गिरावट बढ़ी है। प्रदेश के उत्तरी एवं पूर्वी क्षेत्र में सुबह के समय घना कोहरा छा रहा है। गुरुवार को प्रदेश में सबसे कम 5.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दतिया एवं नौगांव में दर्ज किया गया। खजुराहो, नौगांव, ग्वालियर, टीकमगढ़, सीधी और सतना में दिन में काफी ठंड रही। ग्वालियर, चंबल, रीवा, शहडोल, सागर और जबलपुर संभाग के जिलों में सुबह के समय कोहरे का असर बने रहने के आसार हैं। खजुराहो में दिन का अधिकतम तापमान 13.5 डिग्री पर आने से लोग ठिठुरने लगे, तो 12 शहरों में गुरुवार को रात का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। यह राजधानी भोपाल में 10.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो शहर का इस वर्ष जनवरी में सबसे कम रहा। हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात का पारा 9.8 डिग्री सेल्सियस पर रहा। प्रदेश में दिन और रात के तापमान में कमी की स्थिति अभी तीन-चार दिन तक रह सकती है।

**काफी तेज रफ्तार से बहने वाली हवा सक्रिय**

मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, जेट स्ट्रीम (पश्चिम से पूर्व की तरफ काफी तेज रफ्तार से बहने वाली हवाओं का समूह) के सक्रिय रहने के कारण इस तरह की स्थिति बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी एसएन साहू ने बताया कि वर्तमान में उत्तर भारत में कोहरा बना रहने के साथ ही न्यूनतम तापमान काफी कम हो गया है। शाम के समय हवाओं का रुख भी उत्तर-पूर्वी हो जाता है। इस तरह की स्थिति अभी तीन-चार दिन तक रह सकती है। **बारिश होने के भी आसार** मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि कर्नाटक से विदर्भ से होकर छत्तीसगढ़ तक एक द्रोणिका बनी है। इसके असर से अरब सागर से कुछ नमी भी आ रही है, जिसके चलते जबलपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बादल छा रहे हैं, साथ ही वर्षा होने के भी आसार बन गए हैं।

# दृष्टिबाधितों के लिए सड़क पर चलना रोड क्रास करना होगा आसान

**भोपाल के युवक ने बनाया विशेष सेंसरयुक्त चश्मा**

**सिटी चीफ भोपाल।**

दृष्टिबाधित लोग अब किसी आम इंसान की तरह आसानी से सड़क पार कर सकेंगे। यानी वह अपना जीवन सामान्य व्यक्तियों की तरह जी सकेंगे। इसके लिए शहर के एक विद्यार्थी ने दृष्टिबाधित लोगों के लिए सेंसर युक्त चश्मा तैयार किया है, जिसे पहनकर दृष्टिबाधित लोग सड़क पर आसानी से चल सकते हैं। इसे शहर के विक्रमादित्य आईटीआई के इलेक्ट्रिशियन बनने का हुनर सीख रहे पहले वर्ष के छात्र अमित त्रिपाठी ने तैयार किया है। इनका मार्गदर्शन ट्रेनिंग आफिसर रवींद्र चंदेल ने किया। उन्होंने इसे एक सप्ताह में तैयार किया है। छात्र के इस प्रयास की चेयरमैन आदित्य

नरोलिया, ग्रुप डायरेक्टर दीपिका सिंह ने सराहना की है।ऐसे आया आइडिया अमित ने बताया कि इस चश्मे को बनाने की प्रेरणा बाजार से गुजरने के दौरान मिली। जब उन्होंने देखा कि एक दृष्टिबाधित बुजुर्ग सड़क पार करने के लिए खड़े हैं, लेकिन उसकी कोई मदद नहीं कर रहा था। तब अमित ने उन्हें सड़क पार कराई। अमित ने कहा कि चूंकि मैं इलेक्ट्रिशियन की पढ़ाई कर रहा हूं, इसलिए एक ऐसा चश्मा बनाने की विचार किया, जिससे दृष्टिबाधितों को मदद मिले और वह खुद ही सड़क को आसानी के साथ पार सकें। उन्होंने बताया कि इस चश्मे को बनाने के लिए मात्र तीन सौ रुपये के लगभग खर्चा आया है।

**ऐसे काम करता है चश्मा**

अमित के अनुसार इस चश्मे को बनाने के लिए मैंने बाजार से एक सफेद चश्मा खरीदा। फिर इसमें अल्ट्रासोनिक सेंसर लगाया। साथ ही बजर, वेरियबल रजिस्टर और कैपेसिटर लगाया, जिसे 3.7 वोल्ट की लिथियम बैटरी लगाई गई है। इस चश्मे को पहनने के बाद एक मीटर की दूरी पर आने वाले व्यवधान से दृष्टिबाधित को सूचित किया जा सकेगा।

# निशातपुरा से संत हिरदाराम नगर के बीच नई रेल लाइन का परीक्षण

**120 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ी ट्रेन**

**सिटी चीफ भोपाल।**

रामगंज मंडी से आ रही नई रेल लाइन को संत हिरदाराम नगर से निशातपुरा तक जोड़ दिया गया है। रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) मनोज अरोरा गुरुवार को इस रेल लाइन की सुरक्षा और स्पीड टेस्ट का जायजा लिया। लोको निरीक्षण ट्रेन से गति सीमा एवं सुरक्षा व्यवस्था का परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा आयुक्त ने इस रेल खंड पर संरक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े संसाधनों, ओएचई लाइन, संबद्ध उपकरण तथा सिग्नलिंग आदि का निरीक्षण किया एवं उनकी कार्य क्षमता को परखा। इस दौरान संत हिरदाराम नगर से निशातपुरा डी केबिन के मध्य नई रेल लाइन पर डीजल इंजन से 120 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से सफल स्पीड ट्रायल

किया गया। कार्य की गुणवत्ता से संतुष्ट होकर 90 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रेन चलाने की अनुमति दी है।नई लाइन के निर्माण होने से संत हिरदाराम नगर तथा निशातपुरा डी केबिन के बाहर मालगाड़ियों एवं यात्री ट्रेनों के विलंबन में कमी आएगी। साथ ही नई लूप लाइन के निर्माण से भोपाल और निशातपुरा में गाड़ियों के समय पालन में सुधार आएगा। संत हिरदाराम नगर स्टेशन का भी किया निरीक्षण अरोरा ने संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर नई लाइन बिछाने के बाद की गई सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। हाल ही में तीसरे प्लेटफार्म का काम पूरा हुआ है। चौथे प्लेटफार्म का काम भी अंतिम चरण में है। अरोरा ने स्टेशन के दूसरे छोर पर बने नए भवन व प्रबंधक कक्ष का भी अवलोकन एवं पूजन किया। यहां से ट्रेन संचालन काम प्रारंभ हो गया है। निरीक्षण के दौरान डीआरएम देवाशीष त्रिपाठी सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे। दूसरे प्रवेश द्वार को लेकर संशय रेल प्रशासन ने स्टेशन को अमृत भारत योजना के तहत विकसित किया है। हाल ही में दूसरे छोर को भी विकसित किया गया है। सीटीओ छोर पर ही प्रबंधक कक्ष बना है लेकिन यहां नए प्रवेश द्वार को लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है।

# महाकाल से अयोध्या जाने वाले प्रसाद रथ को आज रवाना करेंगे सीएम डॉ मोहन यादव

**सिटी चीफ भोपाल।**

भोपाल। उज्जैन के महाकाल मंदिर की ओर से अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 5 लाख लड्डू भेजे जा रहे हैं। आज मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में राजधानी के मानस भवन से महाकाल से अयोध्या जाने वाले प्रसाद रथ का प्रस्थान किया जाएगा। यह कार्यक्रम पौने दस बजे होगा। महाकाल लड्डू उज्जैन से भोपाल होते हुए अयोध्या पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव पूजा-अर्चना कर लड्डू से भरे ट्रक को रवाना करेंगे। उल्लेखनीय है कि भोपाल में राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर आयोजित राज्यस्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से चर्चा के दौरान

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा था कि राम मंदिर हमारा 17 लाख साल पुराना सपना है। इसमें मध?य प्रदेश भला कैसे पीछे रह सकता है। सीएम ने यह भी कहा था कि उज्जैन स्थित श्री महाकाल मंदिर से 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में 5 लाख लड्डू भेजे जाएंगे। बाबा महाकाल का प्रसाद अयोध्या जाएगा। सीएम ने पिछले दिनों चिंतामन लड्डू निर्माण इकाई का अवलोकन कर आवश्यक निर्देश दिए थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने स्वयं लड्डू निर्माण में कारीगरों का हाथ बंटाया और लड्डू की पैकिंग भी की थी। सीएम ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा था सियावर रामचंद्र जी की जय! आज मकर संक्रांति के पावन अवसर पर महाकाल की नगरी उज्जैन से अयोध्या भेजे जा रहे 5 लाख लड्डुओं के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया एवं लड्डू पैक कर इस पुण्य कार्य में अपना सहयोग प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले तिरुपति बालाजी मंदिर के 'तिरुमला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड ने भी अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए 1 लाख लड्डू भेजने की घोषणा की थी। तिरुपति बालाजी मंदिर में प्रसाद के रूप में इन लड्डुओं का भोग लगाया जाता है।

## प्रदर्शनी में श्रीराम मंदिर हुआ साकार, श्रद्धालु ले रहे सेल्फी

**सिटी चीफ भोपाल।**

अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मौके पर देशभर में रामभक्तों द्वारा लगातार आयोजन कराए जा रहे हैं। शहर की हुजूर विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा गुरुवार को मालवीय नगर स्थित अपने कार्यालय युवा सदन पर श्रीराम मंदिर की प्रतिकृति बनाकर प्रदर्शनी का आयोजन कराया। इस प्रदर्शनी में प्लाइवुड सीट द्वारा अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर के स्वरूप की प्रतिकृति को प्रदर्शनी के रूप में सजाया गया। इस प्रादर्श को 12 कारीगरों द्वारा तीन दिन में तैयार किया गया है, जिसकी ऊंचाई 12 फीट और चौड़ाई 32 फीट है। लोगों के बीच यह प्रादर्श आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। राह से आते-जाते लोग भी ठहरकर इस प्रादर्श के साथ सेल्फी ले रहे हैं।गुरुवार को मप्र विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने इस प्रदर्शनी का दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। तोमर ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर सेल्फी भी ली। वहीं बैरसिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक विष्णु खत्री ने भी प्रदर्शनी देखकर सेल्फी ली। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने कहा कि यह हमारी पीढ़ी का सौभाग्य है कि हम 22 जनवरी को होने जा रहे प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बन रहे है। यह अवसर हजारों कार सेवकों, साधु संतों, सनातनियों के बलिदान के बाद आया है। तोमर ने इस अवसर पर विधायक शर्मा के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि युवा सदन में जो राम मंदिर की प्रतिकृति बनाई गई है वह बहुत सुंदर एवं अभिनव कार्य है।

## संपादकीय

# मध्यकालीन सहमति का अंत और अयोध्या के बहाने एक 'धर्मयुद्ध'

अयोध्या में नए बने राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर भक्तों की तीन-चार तरह की प्रतिक्रियाएं दिखती हैं। एक संघ, भाजपा, वीएचपी की हिंदुत्ववादी 'प्रतिक्रिया' है, जिसके अनुसार, 22 जनवरी का समारोह हिंदुओं और साधु-संतों के पांच सौ बरस लंबे सांस्कृतिक, धर्मिक संघर्ष पर विजय का ऐतिहासिक अवसर है। यह हजारों रामभक्तों व कारसेवकों की कुर्बानी का सुफल है। प्रधानमंत्री मोदी को प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य कर्ता की तरह चुना गया है। इसकी कल्पना करके प्रधानमंत्री अपने को पूरी तरह 'भावविह्वल' बता चुके हैं। वह इस पल के लिए बहुत पहले से संकल्पित रहे हैं। स्वयं आडवाणी जैसे 'रामरथयात्री' ने प्रधानमंत्री को मंदिर के लिए प्रभु द्वारा 'निश्चित किया गया'; 'द चोजन वन' कहा है। दूसरी ओर वे हैं, जो कभी 'प्रो राम' और 'प्रो मंदिर', कभी 'दुविधाग्रस्त' और कभी %अवसरवादी' और कभी 'राम विरोधी' जैसे नजर आते रहे हैं और फिर भी 'असली रामभक्तों' से चिढ़कर अपने को 'असली रामभक्त' की तरह दिखाना चाहते हैं, ताकि रामभक्त उनसे नाराज न हो जाएं। इनका मानना है कि राम तो सबके हैं, लेकिन उनको ऐसे राजनीतिक समूह ने हथिया लिया है, जो राम को अपनी राजनीति का हथियार बनाकर चौबीस की वैतरणी पार करना चाहता है। हमारी नजर में राम मंदिर पर वर्चस्व की इस लड़ाई में ऐसे तत्व संघ, भाजपा व प्रधानमंत्री मोदी से लड़ते-लड़ते सीधे भगवान राम से ही लड़ गए दिखते हैं। ये समझ नहीं पा रहे कि भाजपा से लड़ना संभव है, लेकिन राम से लड़ना असंभव है। 'असली रामभक्तों' को आप लाख दिखावटी, कर्मकांडी, प्रदर्शनप्रिय, कम्यूनल, फासिस्ट कहें, वे ऐसे आरोपों के कारण अपने को 'रक्षात्मक' नहीं दिखाते, क्योंकि वे रामभक्त जनता की भावनाओं के साथ अपनी भावनात्मक तादात्म्यता पर अटूट व अखंड विश्वास रखते हैं। मंप्राण जनता का यह एक ऐसा रिप्रेजेंटेशन है, जो आधुनिक %सामाजिक समझौते'; सोशल कांट्रेक्ट से भी आगे जाता है। यह उस 'भावनात्मक एकता' का 'समुच्चय' है, जिसे 'भक्ति' कहा जाता है, जो मध्यकाल में एक विदेशी धर्म के आक्रमण की प्रतिक्रिया में पैदा हुई और जिसे 'सेक्यूलर इतिहासकारों' ने 'मध्यकालीन बोध' के नाम से %फिक्स% किया, जिसे हम आज की पदावली में मध्यकालीन सहमति'; मेडिएवल कंसेंसस कह सकते हैं, जो एक विदेशी धर्म की सत्ता की कमान के नीचे बनी। हिंदी साहित्य के आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी की मानें, तो यह 'सहमति' या भक्ति विदेशी आक्रांताओं के आगे एक 'पराजित जाति का अंतर्मुखी' हो जाना थी, जो पांच सौ से अधिक बरस बाद अब आकर 'बहिर्मुखी' हो रही है। स्पष्ट है कि 'मध्यकालीन कंसेंसस' जा रहा है और 'नया कंसेंसस' बनाया जा रहा है। सारी आकुलता इसी विराट 'भाव प्रतिवर्तन' से हो रही है। उक्त दूसरी श्रेणी के भक्त इस 'भाव प्रतिवर्तन' से परेशान हैं, लेकिन उनके पास हिंदुत्व द्वारा हर रोज 'सीमेंटित' किए जा रहे इस 'प्रतिवर्तन' की कोई काट नहीं है। कई सोचते हैं कि 'जाति गणना' इसकी काट है, लेकिन जाति भी एक 'हिंदू कैटेगरी' है, जो अंतत: हिंदुत्व को ही पुष्ट करती है। मंडल के बाद कमंडल से निकला 'अधिक उर्जस्वी हिंदुत्व' इसका प्रमाण है। इसी श्रेणी के कुछ 'पार्ट टाइम भक्त' हिंदुत्व की काट के लिए 'महंगाई', 'बेरोजगारी' के सवाल खड़े करके सोचते हैं कि इससे हिंदुत्व का जादू टूट जाएगा। ऐसा कहते हुए वे भूल जाते हैं कि हिंदुत्व की अब तक 'अविच्छेद्य अखंडता' ही इन तात्कालिक सवालों का जवाब है, जो कहती है कि एक बार अपना 'पूर्ण वर्चस्व' हो जाए, तो 'महंगाई', 'बेरोजगारी' भी ठीक हो जाएगी। यों भी जब सदियों का 'पराजय भाव' आज के 'विजय गर्व' में डूबा हो, तो 'महंगाई', 'बेरोजगारी' ज्यादा महसूस नहीं होती, इसीलिए गरीब से गरीब रामभक्त तक कह देता है कि 'महंगाई', 'बेरोजगारी' कब नहीं थी? और उनके होने की वजह से क्या हम अपने भगवान राम को छोड़ दें? गोस्वामी तुलसीदास के मानस के 'राम' का जादू इसी तरह सिर चढ़कर बोलता है। आप यहां सबसे लड़ सकते हैं, 'राम' से नहीं। 'अवसरवादी भक्त' इतने से मर्म को नहीं समझ पाते कि धर्म सिर्फ कमजोर की कमजोरी नहीं है, बल्कि वह उसके लिए 'परम आनंद' का कारण और 'परम मोक्ष' का सपना है। जो समाज अपने इष्ट के लिए अक्सर 'व्रत' व 'उपवास' करता हो, भूखा रहता हो, उस समाज को 'महंगाई', 'बेरोजगारी' कहां व्यापती है? 'असली भक्तों' के तर्क इसी तरह चलते हैं और 'नकली भक्तों' के तर्कों को बेकार करते रहते हैं। इस तरह, असली भक्त जहां 22 जनवरी को एक 'सांस्कृतिक नवजागरण दिवस' की तरह जता, बता और मना रहे हैं, वहीं इसी रामभक्ति के 'सिंक' में डूबा मीडिया, अयोध्या के विकास व भव्य, दिव्य राम मंदिर की साज-सज्जा को चौबीस बाई सात के हिसाब से दिखाते हुए एक 'नया सांस्कृतिक जागरण' बता रहा है। राममय हुआ मीडिया बताता रहता है कि मंदिर निर्माण के लिए कितना आया और कौन क्या दे रहा है, गर्भगृह में राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए प्रधानमंत्री व पुजारियों द्वारा कितने व कैसे अनुष्ठान व जप, तप किए जा रहे हैं और आज की 'अयोध्या' किस तरह से नए भारत की 'वेटिकन सिटी' या 'मक्का- मदीना' बनने जा रही है! विचित्र कंट्रास्ट है = एक ओर 'असली भक्त' निमंत्रण दे रहे हैं, दूसरी ओर 'अवसरवादी भक्त' सिर्फ 'छिद्रान्वेषण' व 'रूठने-मटकने' में लगे हैं। एक भक्त भजन गा रहे हैं, दूसरे उनकी खिल्ली उड़ा रहे हैं। खिल्ली उड़ाने वाला सिर्फ 'प्रतिक्रियावादी' होता है। तीसरे श्रेणी के भक्त वे हैं, जो जरूरत पड़ने पर अचानक 'हनुमान भक्त' बन जाते हैं। चौथे ऐसे हैं, जो धर्म को अफीम मानते हैं, फिर भी धर्म-कर्म पर टिप्पणी करते रहते हैं। पिछले एक महीने से हम अयोध्या के बहाने एक ऐसा नया 'धर्मयुद्ध% होते देख रहे हैं, जहां कथित मध्यकालीन सहमति 'अंतर्मुखी' की जगह 'बहिर्मुखी' हो चली है। तब विदेशी धर्म का शासन था, अब स्वदेशी धर्म का शासन है, और हम देख रहे हैं कि जो तब ऊपर थे, अब नीचे हैं। यह एक बुहत बड़ा 'प्रतिवर्तन' है, जिसे समझे बिना हम आज के असली भक्तों और नकली भक्तों के संघर्ष को नहीं समझ सकते, न उसमें हस्तक्षेप ही कर सकते हैं!

# अर्थव्यवस्था: चुनावी वर्ष में आर्थिक चुनौतियां, कृषि विकास दर और महंगाई हो सकती है सिरदर्दी का सबब

लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार लेखानुदान बजट पेश करने वाली है। मोदी सरकार-2 का यह कार्यकाल आर्थिक मोर्चे पर चुनौतियों भरा रहा है। सबसे बड़ी चुनौती थी कोरोना महामारी और फिर दूसरी चुनौती घरेलू बाजार में महंगाई का उच्चतम स्तर पर बने रहना था। लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था ने न केवल हर मोर्चे पर तरक्की की, बल्कि जीडीपी के मामले में यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरी। चालू वित्तीय वर्ष 23-24 की पहली दो तिमाहियों को मद्देनजर रखते हुए 7.7 प्रतिशत की औसत विकास दर हासिल करना भी बड़ी आर्थिक सफलता है। उम्मीद की जा रही है कि संपूर्ण वित्तीय वर्ष के लिए विकास की दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसकी मुख्य वजह एक ओर जहां घरेलू स्तर पर लगातार प्रति व्यक्ति बेहतर क्रय क्षमता है, तो दूसरी ओर बुनियादी ढांचों के विकास पर सरकार द्वारा ज्यादा खर्च है। पिछले वित्तीय बजट में केंद्र सरकार ने 10 लाख करोड़ रुपये का बजट पूंजीगत खर्चों के लिए रखा था, जिसने अर्थव्यवस्था की विकास दर को गति दी। भारतीय कंपनियों की वित्तीय हालत भी बहुत अच्छी है तथा लाभदायकता का प्रतिशत सभी कंपनियों में दोहरे अंकों में पाया जा रहा है। इसका मुख्य कारण लागत नियंत्रण है। इससे आने वाले समय में निजी निवेश के और बढ़ने की संभावनाएं हैं। बैंकिंग सेक्टर में भी पिछले वर्ष जुलाई में 10 वर्षों के बाद एनपीए सबसे कम रहा था। चालू वित्तीय घाटा इस वर्ष जीडीपी का 1.6 से 1.7 प्रतिशत रहने की संभावना है। भारत जैसी अर्थव्यवस्था के लिए इसका दो प्रतिशत से कम रहना अच्छे विकास का सूचक है। इस वर्ष कच्चे तेल के आयात की मात्रा पिछले वर्ष की तुलना में काफी बढ़ी है, परंतु उसका चालू वित्तीय घाटे पर बहुत अधिक प्रभाव नहीं पड़ा है, क्योंकि भारत ने रूस से भारतीय रुपये में कच्चा तेल खरीदा। वैश्विक स्तर पर चालू वित्तीय वर्ष काफी उथल-पुथल भरा रहा, जिसकी शुरुआत अमेरिका में बैंकिग प्रणाली की विफलता से हुई। चीनी अर्थव्यवस्था में मंदी बने रहना, सभी बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में उनके केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार ब्याज दरों को बढ़ाना आदि हमेशा चर्चाओं में रहा। इन सबके बावजूद भारतीय पूंजी बाजार में विदेशी पूंजी निवेशकों की लगातार अच्छी वित्तीय तरलता बनी रही। घरेलू निवेशकों का भी शेयर बाजार में लगातार अच्छा निवेश बना रहा है, जिसके चलते ही शेयर बाजार रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। सभी बड़ी आर्थिक संस्थाओं ने वर्ष 2024-25 के लिए वैश्विक आर्थिक विकास की दर को कम अनुमानित किया है। आईएमएफ के मुताबिक वर्ष 2024-25 में वैश्विक विकास दर 2.9 प्रतिशत रहने की संभावना है, जो कि वर्ष 2023 में तीन प्रतिशत थी। विभिन्न विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में विकास दर 6.3 से 6.5 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर के कम रहने से भारत के निर्यातों को धक्का लगने की आशंका ज्यादा है। हालांकि सभी बड़े विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों ने ब्याज की दरों में कमी करने का संकेत देना शुरू कर दिया है, परंतु वित्तीय वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में ही ऐसा हो सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी आगामी दिवाली से पहले ब्याज दरों में कटौती की संभावना नहीं है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में नई सरकार के लिए घरेलू स्तर पर सबसे बड़ी चुनौती कृषि क्षेत्र की विकास दर बढ़ाना तथा महंगाई दर को नियंत्रित करना रहेगा। चालू वित्तीय वर्ष में चावल तथा गेहूं का उत्पादन अनुमान से कम हुआ है। इसके अलावा, खुले बाजार में गेहूं की लागत को नियंत्रित रखने के लिए सरकार अपने बफर स्टॉक का उपयोग कर रही है, जिसके चलते सात सालों में पहली बार बफर स्टॉक अपने अनुमानित आंकड़े से नीचे आ गया है। ऐसे में मई माह तक भारत को अपने गेहूं के बफर स्टॉक के लिए आयात करना पड़ेगा। पिछले वर्ष खाद्य पदार्थों की महंगाई के चलते ग्रामीण क्रय क्षमता काफी प्रभावित हुई। कृषि क्षेत्र की विकास दर को बढ़ाना भी सरकार के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य रहेगा।

# तीन संदिग्ध मिलने के बाद हाई अलर्ट मोड पर अयोध्या

# सीएम योगी आज खुद पहुंचकर परखेंगे तैयारी

प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है। इसके लिए तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। बृहस्पतिवार को तीन संदिग्ध आतंकी मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था और भी चाक-चौबंद कर दी गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अयोध्या आएंगे। इस दौरान सीएम यहां रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारियों को परखेंगे। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाओं को देखेंगे। विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण भी करेंगे। जिला प्रशासन ने मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारी शुरू कर दी है।

***बढ़ाई गई निगरानी***- खालिस्तानी आतंकियों से जुड़े तीन संदिग्ध युवकों के पकड़े जाने के बाद एटीएस हाई अलर्ट मोड में आ गई है। बृहस्पतिवार को एटीएस के कमांडो ने वाहनों के काफिले के साथ रामनगरी की सुरक्षा परखी। नयाघाट से श्रीरामजन्मभूमि तक महत्वपूर्ण स्थानों पर निगरानी बढ़ा दी है

***स्वास्थ्य विभाग की मोबाइल टीमें मुस्तैद, 257 मजिस्ट्रेट भी तैनात*** प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने मोबाइल टीमें मुस्तैद कर दी हैं। इनमें शिफ्टवार विशेषज्ञ चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती की गई है। ये टीमें अलग-अलग स्थानों पर मौजूद रहेंगी। सूचना मिलते ही रवाना होंगी। नोडल अधिकारी डॉ. राममणि शुक्ला ने बताया कि सीएमओ कार्यालय व आवास, बूथ नंबर चार, रामकथा संग्रहालय पर ये टीमें तैनात रहेंगी। उधर, शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर इंतजाम करने के लिए 257 मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है।

***प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कंट्रोल रूम सक्रिय*** प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तैयारी के लिए जिला प्रशासन ने कलेक्ट्रेट परिसर में निर्वाचन कार्यालय के पास नए भवन में कंट्रोल रूम बनाया है। इसमें प्रभारी के साथ जिले स्तर के अधिकारी और कर्मचारी लगाए गए हैं। सीडीओ अनीता यादव के नेतृत्व में यहां तैयारियों को लेकर कार्य किया जा रहा है। यहां से जानकारी देने और सूचनाएं प्राप्त करने का काम किया जा रहा है।

***अलग-अलग जिले से पहुंची जवानों की टुकड़ी*** प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए बृहस्पतिवार को जवानों की आखिरी टुकड़ी भी पहुंच गई। इनमें प्रदेश के विभिन्न जिलों की पुलिस के अलावा, आरआरएफ, एसएसबी, आईटीबीपी, पीएसी आदि जवान शामिल हैं। अधिकारियों ने इन्हें कर्तव्यबोध कराते हुए तैनाती स्थल के लिए रवाना किया। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर विभिन्न जिलों से लगभग 10,000 से अधिक जवानों को बुलाया गया है। इनमें 100 से अधिक डीएसपी, 325 इंस्पेक्टर व 800 उपनिरीक्षक, वीआईपी सुरक्षा के लिए तीन डीआईजी, 17 एसपी, 40 एएसपी, 82 डीएसपी, 90 निरीक्षक आदि शामिल हैं। अर्द्धसैनिक बलों की चार कंपनी आरआरएफ, दो कंपनी एसएसबी, एक कंपनी आईटीबीपी व 26 कंपनी पीएसी के जवान भी पहुंचे हैं। बृहस्पतिवार को इन जवानों को अतिथियों के स्वागत-सत्कार व व्यवहार के प्रति सचेत करके विभिन्न स्थानों पर रवाना किया गया। एसएसपी राजकरन नय्यर ने बताया कि पर्याप्त संख्या में जवान पहुंच गए हैं। इन्हें विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया है।

***एटीएस कमांडो ने किया रिहर्सल*** बृहस्पतिवार की दोपहर करीब दो बजे एटीएस के कमांडो ने वाहनों के काफिले के साथ रिहर्सल किया। आगे-आगे बाइकों पर कमांडो, पीछे काली गाड़ियों में बैठे जवान आदि को देखने के लिए लोगों का जमावड़ा लग गया। नयाघाट से लेकर श्रीरामजन्मभूमि तक विभिन्न प्वाइंट पर रुककर जवानों ने सुरक्षा का एहसास दिलाया।

# उज्जैन के रामघाट पर हैं श्री रामचंद्र एवं माता सीता की चरण पादुकाएं, 22 को होगा विशेष अनुष्ठान

उज्जयनी तीर्थ पर मोक्षदायिनी मां शिप्रा के पावन तट पर भगवान श्री रामचंद्र जी ने त्रेता युग में अपने दिवंगत पिता राजा दशरथ के साथ समस्त पितरों के मोक्ष की कामना के साथ पिंडदान किया था। इसी वजह से तट को रामघाट कहा जाता है। अब इसी रामघाट पर 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के समय विशेष अनुष्ठान किया जाएगा। प्राचीन मान्यता के अनुसार जब भगवान श्री राम अपनी पत्नी सीता व भ्राता लक्ष्मण के साथ वनवास पर निकले, तब इस वेदना से दुखी पिता दशरथ ने अपने प्राण त्याग दिए। वनवास में ही श्री राम को पिता के दिवंगत होने का समाचार मिला। परिवार में जेष्ठ होने के नाते उन्होंने हर तीर्थ पर अपने पितरों के लिए पिंडदान किया। इसी कड़ी में अवन्तिका पुरी में महाकाल वन में प्रवाहित मोक्षदायिनी मां शिप्रा के पिशाचमोचन तीर्थ पर पिंडदान किया। सभी देवताओं ने साक्षी होकर उनके अनुष्ठान को स्वीकार किया। भगवान श्री राम ने एक दिव्य शिवलिंग की स्थापना की थी। उनकी और माता सीता की चरण पादुकाएं आज भी चिह्नित हैं। तब से रामघाट पर ये पादुकाएं ओटले पर सुरक्षित हैं। पुजारी पं. गौरव नारायण उपाध्याय धर्माधिकारी ने बताया कि अनेक विपत्तियों के बाद भी हमारे पूर्वजों ने भगवान राम के पदचिह्नों को सुरक्षित व संरक्षित किया हुआ है। कई विधर्मियों ने इन चिह्नों को मिटाने का प्रयास किया। इसके बाद भी हमारे परिवार ने इनका नित्य सेवा पूजन कर चैतन्य अंश सुरक्षित रखा है। 22 जनवरी 2024 को इस दिव्य स्थान पर विशेष अनुष्ठान किया जाएगा।

# माकड़ोन में हाईस्कूल के बच्चों ने बनाई राम नाम की मानव शृंखला, अनेकता में एकता का दिया संदेश

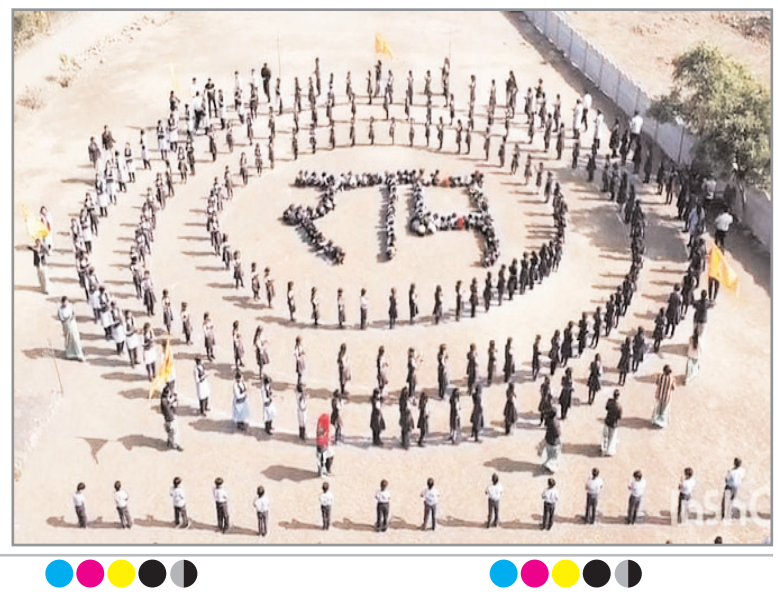

***उज्जैन में हाईस्कूल के बच्चों ने राम नाम की विशाल मानव शृंखला बनाई। इसके जरिए अनेकता में एकता का संदेश दिया गया। ये मानव शृंखला भगवान राम को समर्पित की गई। अयोध्या में होने वाले भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है। वैसे ही नगर व जिले मे धार्मिक आयोजन के साथ ही अब ऐसे आयोजन भी होने लगे हैं जो कि अनेकता में एकता को प्रदर्शित कर रहे हैं। माकड़ोन के संस्कार वैली हाईस्कूल में 700 से ज्यादा बच्चों ने आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अंतर्गत राम नाम की मानव शृंखला बनाई। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठों ने बच्चों को बताया कि भगवान श्री राम की कथाओं से हमें सच्चे पुरुषार्थ के बारे में पता चलता है। साथ ही हमें परिवार के प्रति जिम्मेदारी निभाने की भी प्रेरणा मिलती है। क्षेत्र में छोटे-छोटे बच्चों द्वारा बनाई गई इस मानव शृंखला को लेकर सराहना की जा रही है।***

# अंकिता ने विक्की से तोड़ा रिश्ता... रोते हुए बोलीं- गलत शादी कर ली...

नई दिल्ली । पहले दिन से ही बिग बॉस हाउस में अंकिता लोखंडे और विक्की जैन की लड़ाई चालू है. शो का फिनाले करीब है, लेकिन अंकिता-विक्की का झगड़ा खत्म होने का नाम नहीं ले रहा. लेटेस्ट एपिसोड में एक बार फिर कपल में बड़ा झगड़ा हुआ है. असल में ईशा मालवीय और अंकिता गार्डन में बैठकर मनारा चोपड़ा के बारे में बात कर रही होती हैं. इस बीच विक्की कहते हैं कि इस बारे में हजार बार बात हो चुकी है और अब वो इससे ऊब चुके हैं. ईशा-अंकिता, विक्की को समझाती हैं कि मनारा गलत है और वो उसका बचाव ना करें. अंकिता फिर ईशा से मनारा की बात करने लगती हैं. इतने में विक्की की हंसी छूट जाती है. अंकिता को विक्की का हंसना बुरा लगता है और वो कमरे में जाकर फूट-फूट कर रोने लगती हैं. ईशा, अंकिता को समझाने कमरे में आती हैं. विक्की भी वहां आकर उनसे पूछते हैं कि 'इस तरह क्यों रिएक्ट कर रही हैं.? जवाब में अंकिता कहती हैं- तू हंसता है मुझ पर. मैं गलत इंसान हूं जिससे तुमने शादी की है. 'हर जगह मुझे रोकता है, टोकता है, मत कर मत कर. मैं बोल नहीं पाती हूं. मेरा आत्मविश्वास कम हो गया है. मुझे माफ करो. मुझसे बात मत करना अब खत्म करते हैं.' आगे अंकिता ने ये भी कहा कि 'मैं तेरे साथ कंफर्टेबल नहीं हूं. मैं अपना पॉइंट ऑफ व्यू नहीं रख पाती हूं. मैं नहीं कर पाऊंगी, मेरी फीलिंग्स क्लियर हैं. तू बहुत ऊपर है मेरे लेवल से. मैं बहुत नीचे हूं. ये आज की बात नहीं है. बहुत दिनों से चल रहा है.' अंकिता, विक्की को पहले भी रिश्ता तोड़ने के लिए कह चुकी हैं. कपल के झगड़े देखकर इनके चाहने वालों को भी टेंशन होने लगी है. देखते हैं कि बिग बॉस खत्म होने के बाद अंकिता-विक्की का रिश्ता किस मोड़ पर जाता है.

# ईशा देओल से पहले इन सितारों को भी हुआ इंडस्ट्री के बाहर प्यार, मगर चूर-चूर हुआ रिश्ता

*नई दिल्ली । लाइफ पार्टनर चुनते वक्त सभी के मन में तरह-तरह के सवाल होते हैं. आम लोगों से लेकर सितारों तक, हर कोई अच्छे से सोच-समझकर ही शादी का फैसला लेता है. पर बहुत बार ऐसा भी हो चुका है जब पर्सनल रीजन की वजह से सितारे अलग होने का फैसला लेते हैं. इन दिनों ईशा देओल और भरत तख्तानी के तलाक की खबरें भी आग की तरह फैल रही है. ईशा देओल ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट भी किया था, जिसे उनके तलाक से जोड़कर देखा गया. ईशा और भरत के अलावा इस लिस्ट में किन स्टार्स का नाम शामिल है, जानें इस आर्टिकल में.*

***ईशा देओल और भरत तख्तानी***

*ईशा देओल और भरत तख्तानी ने साल 2012 में शादी करने का फैसला लिया था. दोनों ने 29 जून के दिन शादी की थी. कपल की दो बेटियां हैं, जिनका नाम राध्या तख्तानी और मिराया तख्तानी है. पर दोनों के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है. कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का मानें तो दोनों अलग हो गए हैं और कपल के बीच पिछले कुछ दिनों से कुछ ठीक नहीं चल रहा था. हालांकि, ईशा और भरत की तरफ से इस बारे में औपचारिक जानकारी साझा नहीं की गई है.*

***करिश्मा कपूर और संजय कपूर***

*करिश्मा कपूर और संजय कपूर भी अलग इंडस्ट्री से जुड़े थे. करिश्मा एक्ट्रेस और संजय बिजनेसमैन. दोनों ने साल 2003 में शादी की थी. कपल काफी खुश था. दोनों ने 1 बेटी और बेटे का जन्म दिया. जिनका नाम समायरा और कियान है. हालांकि शादी के कुछ साल बाद कपल के बीच चीजें बिगड़ गई, जिसके बाद दोनों ने तलाक का फैसला लिया.*

***संगीता बिजलानी और मोहम्मद अजहरुद्दीन***

*मोहम्मद अजहरुद्दीन क्रिकेटर और संगीता बिजलानी एक्ट्रेस थीं. दोनों ने 1996 में मुंबई के ताजमहल होटल में शादी की थी. मोहम्मद अजहरुद्दीन की संगीता के साथ दूसरी शादी थी. इससे पहले उन्होंने नौरीन के साथ विवाह किया था. संगीता से साथ शादी के कुछ साल बाद भी दोनों ने अलग होने का फैसला लिया. बता दें कि एक समय पर संगीता और सलमान की शादी के भी कार्ड भी छप गए थे, लेकिन बात किसी वजह से रुक गई.*

***मनीषा कोइराला और सम्राट दहल***

*अभिनेत्री मनीषा कोइराला की शादी सम्राट दहल से काठमांडू में हुई थी.सम्राट का एक्टिंग की दुनिया से कोई लेना देना नहीं था, वो बिजनेसमैन थे. शादी के कुछ वक्त बात ही दोनों के बीच विवाद बढ़ गए थे. इस वजह से एक्ट्रेस बहुत परेशान हो गई थी. शादी के 2 साल बाद दोनों अलग हो गए थे.*

# राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का न्योता मिलने के बावजूद शामिल नहीं होंगे जूनियर एनटीआर, अड़चन बनीं ये वजह!

नई दिल्ली । राम के भक्तों के लिए आखिर वो दिन आ ही गया जिसका उन्हें सालों से इंतजार था। 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इस पल का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों लगभग पूरी हो चुकी हैं। इस शुभ घड़ी यानी राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए बॉलीवुड से लेकर साउथ फिल्म इंडस्ट्री तक के सितारों को न्योता भेजा गया है। इस लिस्ट में रजनीकांत, यश, अमिताभ बच्चन और मोहनलाल सहित कई फेमस नाम शामिल हैं। इस गेस्ट लिस्ट में साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर का नाम भी शामिल है, लेकिन वह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शिरकत नहीं कर पाएंगे। आइए जानते हैं किस वजह से आई अड़चन!

**प्राण प्रतिष्ठा में शामिल नहीं हो पाएंगे जूनियर एनटीआर** साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी 'देवारा' को लेकर खबरों में बने हुए हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन कोरतल्ला शिवा ने किया है। एनटीआर की 'देवारा' फिल्म इसी साल 5 अप्रैल को थिएटर्स में रिलीज होने के लिए तैयार है। गल्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक अपने वर्क कमिटमेंट्स की वजह से ही जूनियर एनटीआर राम मंदिर के उद्घाटन समारोह का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। इस बात को लेकर फिलहाल अभी तक अभिनेता की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

**'देवारा' में जाह्नवी संग नजर आएंगे जूनियर एनटीआर** 'देवारा' में जूनियर एनटीआर के साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर दिखाई देने वाली हैं। जाह्नवी के अलावा इस फिल्म में सैफ अली खान भी 'देवारा' में नजर आएंगे। इसके अलावा अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी 'वॉर 2' में जूनियर एनटीआर ऋतिक रोशन के साथ नजर आएंगे।

**इन बॉलीवुड सितारों को भी मिला न्योता** बता दें कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में साउथ के अलावा बॉलीवुड के दिग्गज स्टार्स भी शामिल होंगे। अमिताभ बच्चन, अजय देवगन, अक्षय कुमार, आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और अनुष्का शर्मा से लेकर माधुरी दीक्षित, दीपिका चिखलिया, अरुण गोविल, सुनील लहरी और आशा भोसले तक को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का न्योता मिला है।

# रवीना टंडन ने बेटी के साथ किए सोमनाथ के दर्शन

मुंबई । 90 के दशक की लीडिंग बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन ने बेटी राशा थडानी के साथ सोमनाथ की ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। रवीना ने इसका एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में रवीना अपने और बेटी के माथे पर तिलक लगा रही हैं। रवीना ने खूबसूरत साड़ी और राशा ने ड्रेस पहनी हुई है। दर्शन करते समय उनके चेहरे पर प्रसन्नता झलकती है। रवीना ने कैप्शन में संस्कृत में महामृत्युंजय मंत्र और 'हर हर महादेव' लिखा। वीडियो और फोटो सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट की अनुमति से ही लिए गए हैं। रवीना और राशा कई जगहों पर जाती हैं। कुछ दिन पहले वह मध्य प्रदेश के पन्ना जंगल सफारी का लुत्फ उठाने पहुंची थीं। उन्होंने वीडियो भी बनाया सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया। सोशल मीडिया पर रवीना के बहुत सारे प्रशंसक हैं। एक ने कमेंट किया कि रवीना बेटी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराते देखना अच्छा है। फैंस ने उनकी खूबसूरती की जमकर तारीफ की है।रवीना जल्द ही अपना ओटीटी डेब्यू कर रही हैं। उनकी सीरीज 'कर्मा कॉलिंग' हॉटस्टार पर प्रसारित हो रही है। इसके अलावा वह अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'वेलकम टू जंगल' में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में अक्षय और रवीना कई सालों बाद साथ आ रहे हैं। चर्चा है कि राशा थडानी साउथ स्टार राम चरण तेजा के साथ डेब्यू करेंगी।

# अक्षरा सिंह पर बिहार के औरंगाबाद में हमला पुलिसकर्मी घायल

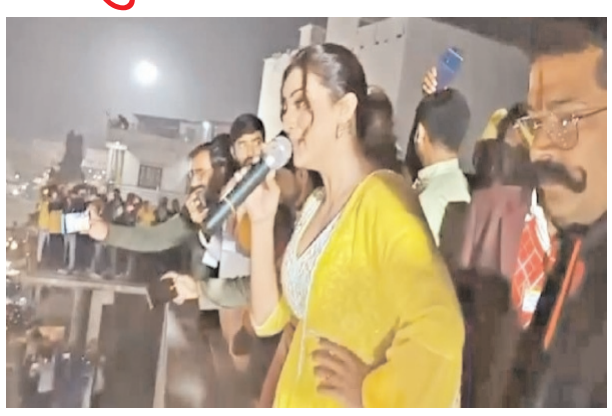

भोजपुरी कला जगत की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह के बारे में बड़ी जानकारी सामने आई है। बिहार के औरंगाबाद में एक कार्यक्रम में गई अक्षरा पर लोगों ने पथराव कर हमला कर दिया। इस हमले में अक्षरा बाल-बाल बच गईं। हालांकि, उनकी सुरक्षा कर रहा एक पुलिसकर्मी घायल हो गया है। अक्षरा 17 जनवरी को एक शोरूम का उद्घाटन करने औरंगाबाद के दाऊदनगर गयी थीं। कार्यक्रम में देर से पहुंचने पर अक्षरा के प्रशंसक काफी नाराज हुए। इतना ही नहीं उनके साथ सेल्फी लेने के लिए भारी भीड़ जमा हो गई। इसी भीड़ में गुस्साए प्रशंसकों ने एक-दूसरे को धक्का देते हुए पथराव शुरू कर दिया। दरअसल, अक्षरा की फ्लाइट देर से पहुंची और उन्हें कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने में भी देर हो गई, जिसके चलते फैंस में पहले से ही नाराजगी थी। इस दौरान उनके साथ सेल्फी और फोटो लेने के लिए फैंस का हुजूम उमड़ पड़ा। भीड़ बेकाबू होने के कारण इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करना मुश्किल हो गया। प्रशंसकों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इस धक्का-मुक्की के कारण कुछ प्रशंसक घायल हो गए। इतना ही नहीं, घायल हुए फैंस ने गुस्से में अक्षरा पर ही हमला कर दिया। उन्होंने उस पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस ने अक्षरा की सुरक्षा की और उन्हें कहीं चोट नहीं आने दी। इस बीच, हमले में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया और उसका इलाज दाऊदनगर के सरकारी उप-विभागीय अस्पताल में किया गया। बताया जाता है कि इस घटना के बाद अक्षरा दाऊदनगर से सुरक्षित निकल गई थीं।

# डीपफेक का शिकार हुए सोनू सूद, लोगों से की ये अपील

*नई दिल्ली- पिछले कुछ समय में एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना से लेकर काजोल तक कई सितारे डीपफेक का शिकार हुए. इन सितारों में सचिन तेंदुलकर भी रहे. अब एक और नया मामला सामने आया है, जोकि बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद से जुड़ा हुआ है. उनके डीप फेक वीडियो के जरिए एक परिवार से पैसे ऐंठने की कोशिश हुई है. सोनू सूद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वीडियो कॉल पर बात करते हुए एक परिवार को मदद करने का झांसा दिया जा रहा है. सोनू सूद ने इस वीडियो को पोस्ट करते हुए लोगों को सतर्क रहने को कहा है. सोनू सूद ने लिखा, मेरी फिल्म फतेह डीप फेक और फर्जी लोग ऐप्स से जुड़ी असली कहानी पर बेस्ड है. ये एक नई घटना है, जहां किसी ने खुद को सोनू सूद बताकर वीडियो कॉल के जरिए एक अनजान परिवार से पैसे ऐंठने की कोशिश की. कई बेगुनाह लोग इस जाल में फंस जाते हैं. मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि अगर आपको ऐसी फोन कॉल आए तो सावधान आएं. वीडियो में सोनू सूद जैसा जो डीप फेक शख्स दिख रहा है वो एक परिवार से वीडियो कॉल से बात करते हुए कह रहा है कि बिजी होने के कारण वो उनकी मदद नहीं कर पाया. उस परिवार ने कर्ज लेकर जो अपना इलाज करवाया वो उस कर्ज को उतारना चाहता है और मदद करना चाहता है. सोनू सूद ने इस वीडियो को शेयर करते हुए बताया कि इस झांसे में ना आएं और सावधान रहे. इस तरह पैसे ऐंठने की कोशिश हो रही है.*

# अभिनेता ने किया बड़ा खुलासा

**'एनिमल' में इंटीमेट सीन के लिए रणबीर ने आलिया से ली थी इजाजत?**

डेस्क। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी ए सर्टिफिकेट हासिल करने वाली फिल्म 'एनिमल' में रणबीर कपूर ने शानदार प्रदर्शन किया है। तमाम विवाद के बाद फिल्म घरेलू सहित वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता का परचम लहराने में सफल रही है। फिल्म की कहानी और एक्शन के साथ-साथ इसके इंटीमेट सीन भी खूब सुर्खियों में रहे हैं। रणबीर कपूर और तृप्ति डिमरी की केमिस्ट्री ने लोगों का खासा ध्यान आकर्षित किया। साथ ही तृप्ति रातों-रात नेशनल क्रश बन गईं। हालांकि, ये सीन करने से पहले अभिनेता ने रियल लाइफ पत्नी आलिया भट्ट से अनुमति ली थी या नहीं, इसका सच भी सामने आ गया है। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की ब्लॉकबस्टर हिट 'एनिमल' की सफलता से उत्साहित बॉलीवुड हार्टथ्रोब रणबीर कपूर ने हाल ही में कुछ अत्यधिक चर्चित इंटीमेट सीन्स की शूटिंग के दौरान उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जानकारी साझा की। यह सीन अभिनेता और तृप्ति डिमरी के बीच फिल्माया गया था। अपने हालिया इंटरव्यू में रणबीर ने खुलासा किया कि वह वास्तव में इस सीन की शूटिंग को लेकर डरे हुए थे। रणबीर कपूर के अनुसार, यह केवल उनकी पत्नी आलिया भट्ट और उनके समर्थन के कारण था कि उन्होंने इसके साथ आगे बढ़ने का फैसला किया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में, रणबीर ने आलिया के साथ अपने रिश्ते की सहयोगात्मक प्रकृति और अपने-अपने कामकाजी जीवन में एक-दूसरे को दिए जाने वाले समर्थन के बारे में बताया। कई 'एनिमल' सीन की शूटिंग के बारे में आलिया को बताने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं उनके साथ इस पर चर्चा करता था।

# रणबीर कपूर की 'रामायण' में 'सेक्रेड गेम्स' की एक्ट्रेस कुब्रा सैत की एंट्री?

*मुंबई ! आने वाली फिल्म 'रामायण' में एक से बढ़कर एक दमदार कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में शूर्पणखा का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस के बारे में भी जानकारी सामने आई है। आपको नवाजुद्दीन सिद्दीकी की हिट वेब सीरीज 'सेक्रेड गेम्स' और इसकी कुक्कू यानी एक्ट्रेस कुब्रा सैत तो याद ही होंगी। अब कहा जा रहा है कि नितेश तिवारी की 'रामायण' में कुब्रा की भी एंट्री हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने रणबीर कपूर की 'रामायण' में शूर्पणखा का किरदार निभाने के लिए ऑडिशन दिया है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि वह इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनेंगी। फिलहाल इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। कुब्रा सैत एक टीवी होस्ट और मॉडल हैं। उन्होंने 'सुल्तान, रेडी और सिटी ऑफ लाइफ जैसी फिल्मों में भी काम किया है। हालांकि, उन्हें नेटफ्लिक्स सीरीज़ सेक्रेड गेम्स के लिए जाना जाता है। इस शो में उन्होंने कुक्कू का किरदार निभाया था। वह 2024 में फिल्म देवा में नजर आएंगी। बॉबी देओल को फिल्म में कुंभ करण का रोल ऑफर किया गया था। हालांकि, उन्होंने इस रिपोर्ट का खंडन किया है। वह साउथ फिल्म 'कुंगवा' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें सूर्या भी हैं। इसके साथ ही उनके पास शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की वेब सीरीज 'स्टारडम' है। **किसे क्या भूमिका मिली** फिल्म रामायण में रणबीर कपूर 'राम' का किरदार निभाएंगे। साई पल्लवी को 'सीता माता' का रोल मिला है। सनी देओल 'हनुमान' की भूमिका निभाएंगे जबकि लारा दत्ता राजा दशरथ की तीसरी पत्नी 'कैकेयी' की भूमिका निभाएंगी। 'रावण' की भूमिका में साउथ सुपरस्टार यश नजर आएंगे। हालांकि, इसके लिए हमें मेकर्स की ओर से आधिकारिक घोषणा का इंतजार करना होगा।*

# गोलमाल 5 के लिए रोहित शेट्टी का बड़ा प्लान, अजय की गैंग की वापसी पक्की

मुंबई बॉलीवुड के बेहतरीन डायरेक्टर्स में से एक रोहित शेट्टी अपनी हर फिल्म के साथ कुछ अलग और बेहतर करने की कोशिश करते हैं. रोहित शेट्टी का नाम सक्सेसफुल डायरेक्टर्स की लिस्ट में आता है. उनकी फिल्मों में एक्शन और ड्रामा भर-भरकर देखने को मिलता है. हाल ही में रोहित शेट्टी जल्द ही अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं. उनकी बनाई हुई इंडियन पुलिस फोर्स जल्द ही ओटीटी पर रिलाज होगी. इसी बीच रोहित शेट्टी की गोलमाल फ्रेंचाइजी को लेकर नई अपडेट सामने आई है. हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान रोहित शेट्टी ने गोलमाल की अगली किस्त यानी गोलमाल 5 को लेकर अपने मास्टर प्लान का खुलासा किया है. पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक रोहित शेट्टी से 'गोलमाल 5' को लेकर अपडेट मांगा गया. उनसे अजय देवगन और उनकी गैंग की वापसी को लेकर सवाल किया गया, जिसका रोहित शेट्टी ने खुलकर जवाब दिया. रोहित ने कहा कि 'गोलमाल 5' जरूर बनेगी. डायरेक्टर की मानें तो वह इस फिल्म को जल्द ही बनाएंगे. उन्हें लगता है कि अगले 2 साल में वह 'गोलमाल 5' सभी के सामने पेश कर देंगे. इसके अलावा रोहित ने ये भी वादा किया है कि गोलमाल का अगला पार्ट पिछले पार्ट्स के मुकाबले काफी बड़ा और शानदार होगा. उनके मुताबिक अब सिनेमा पहले के मुताबिक काफी बदल गया है. जिसके चलते अब ऑल द बेस्ट और गोलमाल जैसी फिल्मों को बेहतरीन और बड़ा बनाना होगा रोहित शेट्टी की मानें तो वह गोलमान में एक्शन एड नहीं कर सकते हैं, लेकिन वह इसका स्केल हाइ कर सकते हैं. गोलमान के काफी सारे चाहनेवाले हैं और उन्होंने इस ब्रैंड को फैन्स के लिए बनाया है. ऐसे में गोलमाल का अगल पार्ट और बड़ी और बेहतर होनी चाहिए, भले ही ये एक कॉमेडी फ्रेंचाईजी है.

## सिंगल कॉलम

### ब्याज दरों में तत्काल कटौती की संभावना नहीं: शक्तिकांत दास

**नई दिल्ली ।** *भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने साफ किया है कि भारत में अभी ब्याज दरों में कटौती होने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक महंगाई और कीमत को नियंत्रित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए अभी तत्काल ब्याज दरों में कटौती करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। एक निजी टीवी चैनल से बात करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि भारत आर्थिक विकास के रास्ते पर बढ़ रहा है और तमाम इंडिकेटर्स आगे भी आर्थिक विकास के जारी रहने के संकेत दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक मोर्चे पर भारत की प्रगति काफी अच्छी रही है और भारत ने वैश्विक चुनौतियों का सामना पूरी मजबूती के साथ किया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर पिछले 4 साल काफी चुनौतियां वाले रहे थे, लेकिन भारत सभी चुनौतियां से निपटने में सफल रहा। देश के फाइनेंशियल सेक्टर में काफी स्थिरता आई है। फिलहाल देश की मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी का भी अभी 75 प्रतिशत से अधिक इस्तेमाल हो रहा है। इसके साथ ही महंगाई के मोर्चे पर भी भारतीय रिजर्व बैंक लगातार प्रयत्नशील है और खुदरा महंगाई दर को 4 प्रतिशत तक सीमित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। शक्तिकांत दास कहा कि 2024 में जीडीपी विकास दर के 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। हालांकि एनएसओ ने 7.4 प्रतिशत विकास दर हासिल होने की संभावना जताई है। जीडीपी विकास दर के अनुमानों को बाजार ने भी काफी सकारात्मक तरीके से लिया है। इसी वजह से पूंजी बाजार में पिछले कुछ दिनों के दौरान काफी तेजी आई है। उन्होंने दावा किया की देश का आर्थिक विकास अगले साल भी जारी रहेगा। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 5 ट्रिलियन डॉलर वाली इकोनॉमी बनाने का जो लक्ष्य तय किया है, उसे भी निश्चित अवधि में पूरा किया जा सकता है। हालांकि वैश्विक चुनौतियों की वजह से इस लक्ष्य को हासिल करने में कठिनाई जरूर हो सकती है, लेकिन प्रतिबद्ध और समन्वित प्रयास से इस लक्ष्य को हासिल कर लिया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने बताया कि अनसिक्योर्ड लोन को लेकर भी आरबीआई सतर्क है और क्रेडिट इकोसिस्टम पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि परेशानियों से निपटने के लिए इसमें हर जरूरी कदम उठाने की तैयारी कर ली गई है। बैंकों के गवर्नेंस प्रैक्टिस की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें भी पहले की तुलना में काफी सुधार हुआ है, जिसकी वजह से पहले की तुलना में जोखिम काफी घट गया है।*

# वायदा बाजार घटा, मांग भी कम होने से कीमती धातुएं टूटी, जानिये सोने-चांदी के ताजा भाव

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निवेशक अब बुलियन वायदा मार्केट की बजाय करंसी मार्केट की तरफ ध्यान लगा रहे हैं। इससे बुलियन वायदा लगातार टूट रहा है। गुरुवार को कामेक्स पर सोना 18 डालर टूटकर 2014 डालर प्रति औंस और चांदी 26 सेंट घटकर 22.68 डालर प्रति औंस रह गई। इससे भारतीय बाजारों में भी गिरावट बनी रही। हालांकि विदेशों में जैसी मंदी आ रही है वैसी मंदी भारतीय बाजारों में नहीं देखी जा रही है।व्यापारियों का कहना है कि ऊंचे दामों पर पिछले दिनों ज्वेलरी की डिमांड घटने के साथ ही ज्यादातर उपभोक्ता ग्राहकों ने

भी सोने और चांदी की बढ़ी कीमतों को देखते हुए खरीदारी सीमित कर दी थी। इससे भी बाजार टूट रहे हैं लेकिन पिछले दो दिनों से सोने और चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट के कारण ऐसी उम्मीद है कि बाजार में फिर से हलचल बढ़ सकती है। गुरुवार को इंदौर में चांदी 200 रुपये और घटकर 72400 रुपये प्रति किलो रह गई दो दिन में चांदी के दाम करीब 875 रुपये तक टूट गए है।इधर, सोना केडबरी आंशिक घटकर 63350 रुपये प्रति दस ग्राम रह गया। हालांकि कुछ ज्वेलर्स का मानना है कि शुक्रवार को विदेशी बाजारों में सटोरिये कागजी सौदेबाजी कर बाजार उछालने का प्रयास करेंगे।कामेक्स सोना ऊपर में 2014 नीचे में 2005 डॉलर प्रति औंस और चांदी ऊपर में 22.68 नीचे में 22.52 डालर प्रति औंस पर कारोबार करता देखा गया।सोना केडबरी रवा नकद में 63350 सोना (आरटीजीएस) 63610 सोना (91.60 कैरेट) 58265 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। बुधवार को सोना 63400 रुपये पर बंद हुआ था। चांदी चौरसा 72400 चांदी टंच 72550 चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 72250 रुपये प्रति किलो बोली गई। बुधवार को चांदी 72600 रुपये पर बंद हुई थी।

## बागवानी उत्पादन 355.25 मिलियन टन होने का अनुमान

नई दिल्ली। बागवानी फसलों के क्षेत्रफल व उत्पादन के संबंध में वर्ष 2022-23 का तीसरा अग्रिम अनुमान गुरुवार को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने जारी किया है। इस अनुमान के तहत वर्ष 2022-23 में कुल बागवानी उत्पादन 355.25 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो कि वर्ष 2021-22 (अंतिम) की तुलना में लगभग 8.07 मिलियन टन अधिक (2.32त्न की वृद्धि) है। बागवानी उत्पादन की बढ़त को लेकर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने किसानों और वैज्ञानिकों को बधाई दी है। मुंडा ने कहा कि देश में लगातार बढ़ रहे बागवानी उत्पादन की यह उपलब्धि हमारे किसान भाइयों-बहनों व वैज्ञानिकों की मेहनत व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की कृषि और किसान हितैषी अच्छी नीतियों का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और अन्य सरकारी स्रोत एजेंसियों से प्राप्त सूचना के आधार पर संकलित वर्ष 2022-23 के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार फलों, सब्जियों, रोपण फसलों, मसालों, फूलों व शहद के उत्पादन में वृद्धि अनुमानित है। फलों का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 107.51 मिलियन टन था, जो बढ़कर वर्ष 2022-23 में 109.53 मिलियन टन होने का अनुमान है। कृषि मंत्रालय

के अनुसार सब्जियों का उत्पादन वर्ष 2022-23 में 213.88 मिलियन टन होने का अनुमान है जबकि वर्ष 2021-22 में उत्पादन 209.14 मिलियन टन था। रोपण फसलों का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 15.76 मिलियन टन था, जो बढ़कर वर्ष 2022-23 में 16.84 मिलियन टन होने का अनुमान है। यह लगभग 6.80 फीसदी की वृद्धि अनुमानित है। कृषि मंत्रालय के अनुसार आलू का उत्पादन 60.22 मिलियन टन होने की उम्मीद है जबकि वर्ष 2021-22 में यह उत्पादन 56.18 मिलियन था। टमाटर का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 20.69 मिलियन टन की तुलना में वर्ष 2022-23 में 20.37 मिलियन टन होने की उम्मीद है।

## टाटा की कंपनी ब्रिटेन में नहीं करेगी ये काम, खतरे में 3000 लोगों की नौकरी

**नई दिल्ली ।** टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील 3000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी। यह छंटनी ब्रिटेन के वेल्स प्लांट में होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टाटा स्टील ने कथित तौर पर अपने ब्लास्ट फर्नेस को चालू रखने के लिए बनाई गई ट्रेड यूनियन योजना को नकार दिया है। इसके बाद कंपनी अब ब्रिटेन में अपने पोर्ट टैलबोट ब्लास्ट फर्नेस को बंद कर रही है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार यह निर्णय टाटा के अधिकारियों और अन्य पक्षों के बीच लंदन के एक होटल में हुई बैठक के बाद लिया गया है। हालांकि, टाटा स्टील ने आधिकारिक तौर पर इस संबंध में प्रतिक्रिया नहीं दी है।

**सरकार से समझौता** बता दें कि टाटा स्टील ने ब्रिटेन की सरकार के साथ एक समझौता किया है जिसके तहत ब्लास्ट फर्नेस यानी कोयले की भट्टी की जगह इलेक्ट्रिक फर्नेस लगाने की योजना है। इससे लागत घटाने और

पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलने की संभावना है। हालांकि, इस कदम से लगभग 3000 नौकरियां खत्म होने की आशंका है।

**कंपनी के नुकसान की बड़ी वजह** टाटा स्टील का ब्रिटिश कारोबार पिछली कुछ तिमाहियों में कंपनी के लिए प्रमुख घाटे का कारण बना हुआ है। भारतीय स्टील निर्माता कंपनी को ब्रिटेन में अपने पोर्ट टैलबोट संयंत्र में डीकार्बोनाइजेशन परियोजना से संबंधित ?6,358 करोड़ हानि शुल्क के कारण वित्त वर्ष 2023-24 की जुलाई-सितंबर तिमाही में ?6,511 करोड़ का भारी नुकसान हुआ।

**ब्रिटेन की सरकार का साथ** दरअसल, पिछले साल ब्रिटेन सरकार ने टाटा स्टील के वेल्स स्थित स्टील प्लांट में 1.25 अरब पाउंड के निवेश संबंधी साझा योजना का ऐलान किया था। इसके साथ ही सरकार इसमें 50 करोड़ पाउंड का अनुदान देने के लिए भी तैयार है। साउथ वेल्स के पोर्ट टालबोट में स्थित इस स्टील कारखाने में 8,000 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। इसके अलावा आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी गतिविधियों में भी करीब 12,500 लोग काम करते हैं।



## भारत की लगातार दूसरी हार, ऑस्ट्रेलिया के बाद उज्बेकिस्तान ने भी हराया

*दोहा । एएफसी एशियाई कप में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद से उलट रहा और लगातार दूसरे मुकाबले में उसे हार का सामना करना पड़ा. पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से मात खाने वाली सुनील छेत्री की टीम को अपने दूसरे मैच में उज्बेकिस्तान के हाथों एकतरफा हार का सामना करना पड़ा. भारतीय फुटबॉल टीम को गुरुवार को एएफसी एशियाई कप के ग्रुप मैच में मजबूत उज्बेकिस्तान से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। एएफसी एशियाई कप में भारतीय टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का इरादा लेकर पहुंची थी लेकिन हुआ उसका उलटा. टीम को लगातार दूसरे ग्रुप मैच में एकतरफा हार मिली. पहले मुकाबले में जो टीम का खेल था दूसरे मैच में तो उससे भी खराब प्रदर्शन देखने को मिला. भारत की मुश्किलें रक्षात्मक खामियों के कारण और बढ़ गयीं जिससे ग्रुप बी में उसे लगातार दूसरी हार झेलनी पड़ी. भारत पहले मैच में खिताब के प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया से 0-2 से हार गया था लेकिन इसमें खिलाडियों के प्रदर्शन की सराहना की गयी थी। अहमद बिन अली स्टेडियम में मध्य एशियाई देश के खिलाफ भारत का प्रदर्शन आस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रदर्शन से काफी अलग दिखा. उज्बेकिस्तान ने टूर्नामेंट के शुरूआती मैच में सीरिया से ड्रा खेला था और 102वीं रैंकिंग की भारतीय टीम के खिलाफ टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करने में सफल रहा. 68वीं रैंकिंग पर काबिज उज्बेकिस्तान के लिए अब्बोसबेक फैजुल्लाव (चौथे मिनट), इगोर सर्गेव (18वें) और नसरुल्लाएव (45+3) ने गोल दागे. भारत अब अपने अंतिम ग्रुप मैच में 23 जनवरी को सीरिया से भिड़ेगा।*

***भारत के गोल का खाता खाली**-एएफसी एशियाई कप में भारतीय टीम ने अब तक दो ग्रुप मुकाबले खेले हैं जिसमें उसे हार का सामना करना पड़ा. पहले ऑस्ट्रेलिया और फिर उज्बेकिस्तान की टीम ने भारत पर बड़ी जीत दर्ज की. टीम इंडिया के खिलाफ अब तक 5 गोल दागे गए हैं जबकि उसकी तरफ से गोल का खाता खाली है।*

## फाइनल में पहुंचे जर्मनी और अमेरिका

**रांची।** रांची में खेले जा रहे एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर्स मुकाबले में जर्मनी और अमेरिका की महिला हॉकी टीमेंफाइनल में पहुंच गयी हैं। गुरुवार को पहला सेमीफाइनल मैच जापान और अमेरिका के बीच हुआ। इसमें अमेरिका ने 2-1 से जीत हासिल की। इसके साथ वह ओलंपिक क्वालिफायर मुकाबले के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी। दूसरे सेमीफाइनल में भारत के साथ हुए मुकाबले में जर्मनी ने जीत हासिल की। आखिरी समय तक स्कोर दो-दो रहने के बाद पेनाल्टी शूट आउट का सहारा लेना पड़ा, जिसमें जर्मनी ने चार-तीन के अंतराल के साथ जीत हासिल की। दूसरे सेमीफाइनल में मैच की शुरुआत में भारतीय टीम की ओर से पहले ही क्वार्टर में दीपिका ने एक गोल दाग कर स्कोर 1-0 कर दिया।हालांकि दूसरे क्वार्टर में ही जर्मनी की ओर से कार्लोट स्टेपनहोर्स्ट ने गोल दागकर स्कोर एक-एक पर बराबर कर दिया। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमें एकदूसरे पर हमले करती रहीं पर एक भी गोल देखने को नहीं मिला। आखिरी क्वार्टर में एक बार फिर कार्लोट ने अपनी टीम के लिए एक गोल कर भारत पर 2-1 की बढ़त दिला दी। हालांकि मैच की समाप्ति से ठीक एक मिनट पहले (59वें मिनट) इशिका चौधरी ने गोल कर स्कोर को फिर बराबरी (2-2) पर ला दिया। इसके बाद पेनाल्टी शूट आउट में खेल चला गया। इसमें जर्मनी ने कुल चार जबकि भारतीय टीम की ओर से तीन गोल ही हो सके। अंतत: मैच जर्मनी की जीत के साथ खत्म हुआ। इस तरह इस जीत के साथ जर्मनी टीम फाइनल में पहुंच गयी। अब उसका मुकाबला 19 जनवरी को पहले सेमीफाइनल की विनर अमेरिकी टीम से होगा। प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब कार्लोट को मिला। फाइनल खेलने वाली टीमों में कोई भी जीते या हारे, पेरिस ओलंपिक के लिए वे क्वालिफाई कर गयी हैं।सेमीफाइनल में हारने

वाली टीमों के बीच मुकाबले के आधार पर जो विजेता होगा और तीसरा स्थान हासिल करेगा, वह भी पेरिस ओलंपिक के लिए पात्रता लेगा। अब 19 जनवरी को भारतीय टीम जापान के साथ तीसरे स्थान के लिए जोर आजमाइश करेगी। भारतीय टीम के उत्साहवर्धन के लिए मौके पर स्टेडियम में मंत्री बादल, बन्ना गुप्ता, टीम इंडिया के पूर्व कैप्टन एमएस धोनी, पूर्व स्वास्थ्य सचिव अरुण कुमार सिंह सहित अन्य भी मौजूद रहे। इस दौरान हॉकी इंडिया की तरफ से भोलानाथ सिंह और खेल निदेशक सुशांत गौरव ने धौनी को सम्मानित भी किया गया। जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में गुरुवार को खेले गये इस मुकाबले के पहले और दूसरे क्वार्टर तक दोनों में से किसी भी टीम को एक भी गोल करने में कामयाबी नहीं मिली। हाफ टाइम के बाद तीसरे क्वार्टर में जापान के लिए एमिरु सिमाडा ने एक गोल कर स्कोर 1-0 कर दिया। हालांकि, इसके बाद अमेरिका की कप्तान एश्ले हॉफमैन ने आखिरी क्वार्टर में अपने खेल से टीम की जबरदस्त वापसी कराई और टीम को 2-1 से जीत दिलायी। उनके अलावा तमेर ने भी टीम के लिए एक गोल किया। आखिर में मुकाबला 2-1 पर खत्म हुआ और अमेरिका की टीम सेमीफाइनल में पहुंच गयी। अब इस मैच के बाद दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी और भारतीय टीम के बीच जोरदार मुकाबले की उम्मीद की जा रही है। इस मैच की विजेता टीम अब 19 जनवरी को फाइनल में अमेरिका से भिड़ेगी। इधर, भारतीय टीम को सपोर्ट करने को विशेष तौर पर दर्शक भारी ठंड के बावजूद स्टेडियम में जुटे हुए हैं। गुरुवार को सेमीफाइनल से पहले खेले गये दो मुकाबले में न्यूजीलैंड और इटली ने भी जीत दर्ज की। जापान- अमेरिका के मैच से पहले दिन का दूसरा मुकाबला न्यूजीलैंड और चेक रिपब्लिक के बीच खेला गया। इस मैच में न्यूजीलैंड ने 2-0 से जीत हासिल की। इससे पहले खेले गए दिन के पहले मैच में इटली ने चिली को पराजित किया था।

## लौकी की सब्जी देखकर दूर भागते हैं बच्चे तो बनाकर खिलाएं लौकी डोसा, जानें इसे बनाने का तरीका

***जब भी हम कुछ बनाते हैं तो ये कोशिश करते हैं कि घर के बड़े से लेकर बच्चे तक से काफी चाव से खाएं। बड़े तो सब कुछ खा लेते हैं लेकिन बच्चों को कुछ भी खिलाने में काफी परेशानी होती है। बच्चे चाहे कितनी बड़े हो जाएं लेकिन खाने को लेकर इनके नखरे हमेशा होते हैं। खासकर जब बात आती है सब्जी खाने की तो बच्चे इससे दूर भागते हैं। अगर उनके मन की सब्जी बनी हो तब तो ठीक है लेकिन लौकी और तोरई जैसी सब्जी तो शायद ही किसी बच्चे को पसंद होगी। इन्हीं नखरों को देखते हुए आज हम आपको एक ऐसी डिश के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे खाकर आपके बच्चे भी खुश हो जाएंगे और उन्हें पता भी नहीं लगेगा कि ये डिश लौकी से बनी है। दरअसल, आज के लेख में हम आपको लौकी का डोसा बनाना बताने जा रहे हैं, ताकि आप अपने बच्चे को हेल्दी और स्वादिष्ट पकवान घर पर बना कर खिला सकें। सबसे पहले लौकी को छीलकर और कद्दूकस कर लीजिए। अगर लौकी में ज्यादा पानी है, तो थोड़ा सा प्रेस करके पानी निकाल दीजिए। अब एक बड़े बाउल में कद्दूकस की हुई लौकी, चावल का आटा, सूजी, दही, हरी मिर्च, हरा धनिया, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, और नमक को मिलाकर अच्छे से मिलाइए। इसके बाद इस बैटर में थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर इसे तैयार करें। बैटर को रेस्ट करने के लिए 15-20 मिनट तक छोड़ दीजिए। इसके बाद एक नॉनस्टिक डोसा तवा को मध्यम आंच पर गरम करें और उसे थोड़ा-थोड़ा करके तेल से लगाइए। अब तवे पर इस बैटर से डोसा बनाएं। वह सुनहरा और कुरकुरा हो जाए, तो उसे पलट दीजिए और दूसरी ओर से भी सेक लें। जब ये सही से सुनहरा हो जाए तो डोसा से उतार लें। अब इसे सर्विंग प्लेट पर निकालें और टमाटर की चटनी या नारियल की चटनी के साथ परोसें।***

# शराबी व्यक्ति ने बच्चे से मांगे पैसे ना देने पर

### धारदार कटर से गले पर किया हमला और फिर....

*कटनी, कटनी जिले के एनकेजे थाना क्षेत्र दुर्गा चौक निवासी एक नाबालिक युवक को एक शराबी व्यक्ति ने धारदार कटर से गले में हमला कर घायल कर मौके से फरार हो गया जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल बच्चे को जिला अस्पताल लेकर पहुंची। शराबी व्यक्ति घायल बच्चे से पैसे की मांग कर रहा था और पैसे न देने पर उसने वारदात को अंजाम दिया। घायल बच्चा आर्यन गिरी गोस्वामी ने बताया की वह अपने घर से कुछ दूर पहुंचा ही था की दुर्गा चौक इलाके में रहने वाले महेंद्र सिंह शराब के नशे में उसके पास पहुंचा और जबरन पैसे की मांग करने लगा और पैसे न देने पर उसने आर्यन गिरी के गले में धार दार कटर से गले में हमला कर मौके से फरार हो गया जिसकी सूचना मिलते ही एनकेजे थाने की पुलिस मौके पर पहुंच बच्चे को जिला अस्पताल लेकर पहुंची जहा बच्चे का इलाज जारी है। वही फरार हुए शराबी व्यक्ति महेंद्र की तलाश में जुट गई है।*

# सरपंच संघ ने विभिन्न माँगो को लेकर सीएम डॉ.

## मोहन यादव के नाम प्रशासन को सौपा ज्ञापन

धार, धार के अभिव्यक्ति स्थल पर सरपंच संघ ने अपनी विभिन्न माँगो को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम प्रशासन को ज्ञापन सौपा , जिले से आये सैकडो की संख्या मे सरपंच कोर्ट रोड स्थित अभिव्यक्ति स्थल पर एकत्रित हुए , जहाँ इन्होने तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा , सरपंच संघ के मोहन कन्नौज ने बताया कि ग्राम पंचायतो को 15 वे वित्त आयोग की राशी वर्ष मे दो से चार भागो मे प्रदान की जाती है , जिससे ग्राम पंचायतो मे निर्माण कार्य करने मे परेशानी आती है , यह राशी एक मुश्त सौपी जाये , 15 वित्त आयोग के अंर्तगर्त निर्माण कार्य हेतू कुल राशी का पक्के निर्माण कार्य पर 40 प्रतिशत एवं स्वच्छता पर 60 प्रतिशत का प्रावधान होने पर निर्माण कार्य करने मे असुविधा होती है , इसका निराकरण किया जाये . मुरम का प्रावधान खत्म कर देने पर गाँव की छोटी मोटी समस्याओ का निराकरण पंचायत द्वारा नही हो पाता , इस हेतू आवश्यक प्रावधान किये जाये . रोजगार गारंटी मे भी मजदूरी की राशी समय पर नही आती , खेत सडक का कार्य भी बंद है इसे भी शुरु किया जाये . सरपंचो का मानदेय 4250 रुपये से बढाकर 15000 रुपये किया जाये , इन सभी माँगो को लेकर सरपंच संघ ने जिला प्रशासन के माध्यम से सीएम डॉ. मोहन यादव से माँग की है . इस दौरान इस दौरान शिवराम मुवेल , जुवानसिंह , शर्मिला , राकेश डावर , मोहन कन्नौज , हीरालाल चौहान , मोतीलाल राणा , ललिता रावत , सुनिता , राधेश्याम पटेल , कैलाश पडियार मौजूद रहे .

# खेल हमे हारकर भी जीतना सिखाता है:-डॉ.रश्मि सिंह

### आमा टीम और गगवारिया टीम के बीच हुआ फाइनल मुकाबल जिसमे आमा टीम रही विजेता एवं गंगवारिया टीम उपविजेता

नागौद, नागौद के ग्राम पंचायत गगवारिया मे आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष डॉ. रश्मि सिंह के मुख्य अतिथ्य मे हुआ। क्रिकेट मैच के अयोजको द्वारा मुख्य अतिथि का जोरदार स्वागत किया गया।साथ ही सभी खिलाडियों का परिचय मुख्य अतिथि द्वारा किया गया,मुख्य अतिथि ने अपने उद्धबोधन मे कहा कि खेल हमे हारकर भी जीतना सिखाता है मैं समझती हूं कि खेल खिलाड़ियों को आपस में प्रेम, भाईचारे, सद्भावना के साथ रहने का एक मौका देता है, जिसकी आज देश में सबसे बड़ी जरूरत है।''क्रिकेट मैच में प्रमुख रूप से जिला पंचायत सदस्य विष्णु लोधी, सरपंच पुरुषोत्तम प्रजापति,सुनील लोधी, गब्बु सिंह, नूर भाई जान, अनिल कुशवाहा, हीरेंद्र पटेल,कृष्णा लोधी ,अभिन् लोधी, धीरेंद् लोधी, रामनिवास लोधी,पुष्पेंद्र लोधी, के. के भैया, विनोद विश्वकर्मा, राहुल लोधी, रोशनी सिंह पटेल,संध्या लोधी,रैगांव विधानसभा युवक कांग्रेस उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र रजक हिलौंधा,आदि उपस्थित रहे।

# सतना सम्राट कोचिंग सेंटर हड़हा को हराकर अवंती स्पोर्ट क्लब सेमरवारा का सेमीफाइनल में प्रवेश

सतना, के नागौद विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत हड़हा में चल रहे वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी नॉक आउट क्रिकेट टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अवंती स्पोर्ट क्लब ने सम्राट कोचिंग सेंटर हड़हा को 19 रनों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अवंती क्लब के कप्तान देवलाल लोधी देवी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लेते हुए निर्धारित 15 ओवर में टीम ने योगेश किसान के 26 रन 24 बाल, सत्यनारायण सत्तू के 18 रन 12 बाल की बदौलत 96/7 रन का लक्ष्य दिया, सम्राट कोचिंग की तरफ से राकेंद्र लोधी ने 4 विकेट, अरुण सुग्रीव कुशवाहा ने 4 विकेट लिए । वहीं सम्राट कोचिंग सेंटर की टीम 77 रन अंतिम ओवर में आल आउट हो गई। अवंती स्पोर्ट क्लब की तरफ से सत्यनारायण ने 3 विकेट, योगेश योगी ने 3 विकेट और अरविंद लोधी ने 2 विकेट और सिब्बु ने 1 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच योगेश योगी किसान को 26 रन और 3 विकेट के लिए मिला। मैच में अंपायर जितेंद्र सिंह लोधीराज , कपिल लोधी और कमेंटेटर अशैलेंद्र सिंह लोधी रहे।

### रेल मालगोदाम शहर से बाहर करो मुहिम हुई सफल

# सतना, कैमा में 720 मीटर की साइडिंग में 51 करोड़ रुपए से बनेगा नया माल गोदाम रेल विभाग ने जारी किया आदेश

सतनाञ्चेम्बर आंफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज् के द्वारा रेल माल गोदाम सतना शहर से बाहर करो मुहिम को मिली सफलता और रेलवे विभाग द्वारा इस संबंध में स्वीकृति प्रदान करते हुए इसके लिये बजट का आवंटन हुआ डी. आर. एम. रेलवे ने की चेंबर अध्यक्ष से बातचीत चेंबर महामंत्री मनोहर सुगानी द्वारा जानकारी दी गई है कि इस संबंध में चेंबर अध्यक्ष विवेक अग्रवाल को रेलवे के वरिष्ठ मंडल रेल प्रबंधक जबलपुर द्वारा कल दिनांक 17 जनवरी को शाम फोन पर सूचना दी गई है और उन्होंने आंदोलन समाप्त करने का अनुरोध भी किया है एवं आश्वासन दिया कि शहर से बाहर रेलवे माल गोदाम बनाया जाएगा रेल वाणिज्य प्रबंधक ने पत्र में दी तकनीकी स्वीकृति की जानकारी इस बातचीत के उपरांत रेल मंडल प्रबंधक वाणिज्य, जबलपुर, पश्चिम मध्य रेलवे के पत्र क्रमांक JBP/C/124/PD/VA-MS/06/24 दिनांक 17.01.2024 के द्वारा बताया गया है कि सतना रेल माल गोदाम को स्थानांतरित कर शहर से बाहर किये जाने हेतु कैमा स्टेशन पर 720 मीटर की साइडिंग का निर्माण किया जा रहा है । इस कार्य हेतु कान्ट्रेक्ट एवार्ड किया जा चुका है । पत्र में बताया गया है कि कैमा माल गोदाम को विकसित करने का कार्य पी एच-53 में 36 करोड़ रुपए एवं पी एच-16 में 15 करोड़ रुपये प्रस्तावित है । पत्र में लिखा गया है कि अधोसंरचना कार्य पूर्ण होते ही माल गोदाम को सतना से कैमा स्थानांतरित कर दिया जायेगा । सभी के प्रयासों से मिली सफलता ज्ञातव्य है कि सतना चेम्बर आंफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज् के द्वारा इस जनहित से जुड़े विषय पर विगत 24 दिसंबर 2023 को एक सर्व दलीय बैठक बुलाई गई थी, जिसमें लिये गये निर्णय के अनुसार इस विषय में रेल अधिकारियों को पत्र भेजकर रेल मालगोदाम सतना शहर से बाहर करने का अनुरोध किया गया और उसके बाद सभी जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया, साथ ही सभी संगठनों के साथ मिलकर चरणबद्ध मुहिम चलाई गई । चेंबर अध्यक्ष विवेक अग्रवाल ने इस मुहिम में सहयोग करने हेतु सभी जन प्रतिनिधि जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, पूर्व जन प्रतिनिधियों, विभिन्न दलों व्यवसायी और संगठनों और प्रेस मीडिया के बंधुओं के प्रति आभार जताया.

# सतना के पुष्कर्णी सरोवर प्रभु श्रीराम ने धोए थे रक्तरंजित वस्त्र, आज यह ऐसा दिखता है

सतना, धर्म नगरी चित्रकूट में श्री राम वनवास काल के दौरान साढ़े ग्यारह वर्ष रहे हैं। श्री राम भगवान अपने वनवास काल के दौरान वह कई जगहों पर गए हैं और सब की अलग-अलग मान्यताएं हैं। आज हम एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां प्रभु श्री राम ने अपने खून से लथपथ कपड़े और अस्त्र शस्त्र धोकर स्नान किया था।जी हां हम बात कर रहे हैं चित्रकूट के टिकारिया ग्राम पंचायत में बने पुष्कर्णी अमृत सरोवर की। जहां श्री राम ने अपने वनवास काल के दौरान यहां से कुछ ही दूर जंगल में विराध जैसे राक्षस का वध किया था।राक्षस का वध करने के दौरान भगवान श्री राम के कपड़े व उनका धनुष खून से लथपत हो गया था।इसके बाद प्रभु श्री राम ने वही पास में बने इस पुष्कर्णी सरोवर में अपने कपड़े वा अस्त्र शस्त्र को धोकर स्नान किया था।

**धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान**

मंदिर के पुजारी सचिन त्रिपाठी ने बताया कि धार्मिक दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। रामायण काल से जुड़ा हुआ यह पुष्कर्णी सरोवर है। इसका कई धार्मिक ग्रंथो में भी वर्णन मिलता है।यहीं से वनवास काल के दौरान श्री राम गुजरे थे और यहां से 2 किलोमीटर दूर विराध कुंड है जहां भगवान श्री राम ने विराध जैसे राक्षस का वध किया था।और इसी सरोवर में अस्त्र-शस्त्र धोकर वह स्नान किए थे। जानें कौन था विराध राक्षस बता दे की वह दण्डक वन में रहने वाला एक राक्षस है।जिसने एक प्रकरण में कुछ समय के लिए सीता माता का अपहरण कर लिया था।उसको ब्रह्माजी से यह वर प्राप्त था कि किसी भी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र न तो मेरी हत्या ही कर सकती है और न ही उनसे मेरे अंग छिन्न-भिन्न हो सकते हैं।तभी प्रभु श्री राम ने लक्ष्मण के साथ अपने शक्ति साली धनुष बाण से उसके साथ युद्ध किया और युद्ध में राक्षस को घायल करने के बाद दोनों भाइयों ने राक्षस को जमीन में गाढ़ दिया था।

# पशुपालन मंत्री श्री लखन पटेल ने किया सदगुरु गौ सेवा केन्द्र का अवलोकन

सतना चित्रकूट। परम पूज्य संत श्री रणछोड़दास जी महाराज के पावन प्रेरणा से जानकीकुंड में स्थापित श्री सदगुरु गौ सेवा केन्द्र अंतर्गत श्री सदगुरु सेवा संघ ट्रस्ट में मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के राज्यमंत्री माननीय श्री लखन पटेल जी ने गौ माता का पूजन एवं आरती की साथ ही उन्होंने ट्रस्ट द्वारा की जा रही गौ सेवा को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की एवं इस अत्याधुनिक डिजिटल गौशाला के कार्यों की सराहना की उन्होंने कहा कि गौ सेवा जैसे पुनीत कार्य को सम्पादित करना बहुत चुनौतीपूर्ण है उन्होंने ट्रस्ट द्वारा गौ माता की सेवा सुश्रुषा देखकर प्रसन्नता व्यक्त की तथा कार्यों की सराहना की इस अवसर पर ट्रस्टी डॉ.बी.के.जैन एवं गौ सेवा केन्द्र की अध्यक्षा श्रीमती उषा जैन ने उनका सदगुरु परिवार की ओर से स्वागत किया।

# विधायक ने लगाई फटकार तो सिर हिलाती रह गई SDM, मनमाने विद्युत बिलों को लेकर विद्युत JE की भी ली क्लास, कहा - बाप का राज नही जनता का राज

पन्ना, हम आपको बता दें कि जिले के शाहनगर ग्राम पंचायत में पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा उस वक्त जिले सहित प्रदेश के गलियारों में चर्चा का विषय बन गई जब जिले के अधिकारी कर्मचारीयो की लापरवाही पर विधायक बिफर पडें, दरअसल इन दिनों गांव गांव पहुंच रही विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल होने से जिले के लापरवाह और भृष्ट अधिकारी कतरा रहा है और अपने अपने दफ्तरों पर बैठकर मुंह छिपा रहे है, जिसको लेकर पवई विधायक एक बार फिर आग बबूला हो गये और उन्होने भरे मंच से फटकार लगाते हुए स्थरूको कार्रवाई के निर्देश दे दिये, विधायक की फटकार के बाद जहां स्थरूसुश्री श्रुति अग्रवाल सिर हिलाती रह गई वही मनमाने विद्युत बिलों को लेकर विधायक ने वायसी की भी क्लास लगा दी, विधायक ने तीखे तेवर दिखाते हुए कहा कि - ऐसे अधिकारी ट्रांसफर करवा लें वरना मैं भोपाल जाकर ट्रांसफर करवा दूंगा, अधिकारियों के बाप का राज नहीं है, कांग्रेसी मानसिकता वाले कर्मचारी दमोह में जाकर अपनी दुकान लगाये, जिसके बाद अब करीब 1 दर्जनों पर नोटिस कार्रवाई की बात बताई जा रही है।

# कोई जरूरतमंद केन्द् और राज्य सरकार की योजनाओं से वंचित तो नहीं रह गया है, यदि है तो उसे लेकर आये लाभ दिलायें-पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल

यह मोदी सरकार की कार्य प्रणाली का स्पष्ट अंतर है, सरकार ढूंढने के लिए निकली है की कोई जरूरतमंद केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से वंचित तो नहीं रह गया है, यदि है तो उसे लेकर आए और लाभ दिलायें। निचले स्तर पर निर्णय और न्याय करने की प्रक्रिया को इससे ज्यादा और पारदर्शी नहीं बनाया जा सकता है। यदि किसी से कोई गलती हुई है तो उसे सुधारने का मौका मोदी ने दिया है, इसलिए इसे मोदी जी की गारंटी वाली गाड़ी कहते, जो हर काम के पूरा होने की गारंटी की गारंटी है। इस आशय के विचार प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने आज ग्राम बरी कनौरा में आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किये। इस अवसर पर मंत्री द्वारा विकसित भारत का संकल्प दिलाया गया। इस मौके पर मंत्री की पत्नी पुष्पलता सिंह, नरेन्द्र बजाज, रूपेश सेन, गोपाल पटैल, एसडीएम निकेत चौरसिया खासतौर पर मौजूद थे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री ने कहा मुझे लगता है कि है मोदी सरकार की ऐसी कार्य प्रणाली है कि हम इस अवसर का लाभ लेकर आम जरूरतमंद के प्रति उसे लाभ दिलवाने में मदद कर सकते हैं। लोगों में सफलता की कहनी सुनकर मंत्री ने कहा जागरूकता देख रहा हूं, किस प्रकार से लाभार्थी अपने आत्मविश्वास के साथ कहता हैं, पहले माताएं बहनें गांव में खड़े होकर ऐसा बोल नहीं सकती थी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा बरी पंचायत में आई है, यह जो गाड़ी है मोदी जी की गारंटी वाली गाड़ी है। यह पहला मौका है कि जब मोदी सरकार 2014 में आई, 2019 में आपके आशीर्वाद से दोवारा सरकार में आई है, इस बार प्रधानमंत्री ने कहा कि एक बार सरकार को चाहे वह चुना हुआ जनप्रतिनिधि हो या फिर प्रशासनिक अधिकारी और कर्मचारी हो, उसको एक बार गांव में वापिस जाना चाहिए और वापिस जाकर यह देखें कि कोई जरूरतमंद आदमी सुविधा से वंचित तो नहीं है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा यह जो मोदी की गारंटी वाली गाड़ी है वह इसी बात की गारंटी है कि यदि कोई स्थानीय न्याय न होने के कारण छूट गया है, तो आज के बाद उसका नाम लिस्ट में लिख जाना चाहिए, ताकि वह छूटे ना। यदि इस कार्यक्रम के बाद कोई समस्या योजनाओं को लेकर इस गांव में रहती है तो उसकी जिम्मेदारी गांव के लोगों की होगी, किसी और कि नहीं होगी। आप सभी को घर पर ही मौका मिला है, इसलिए योजनाओं का लाभ अवश्य लें। जब देश के प्रधानमंत्री गरीब आदमी के लिए ढूंढ सकते है, पूरे देश में जहां हमारी सरकार है और जहां सरकार नहीं है, यह यात्रा है कि आपके गांव में इस यात्रा के बाद कोई पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से छूटना नहीं चाहिए। यदि कोई छूट हुआ है तो उसका नाम आज दर्ज हो जाना चाहिए। मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा प्रधानमंत्री ने सबसे पिछड़ी जनजातियों को चिन्हित किया है। यदि 100 की आबादी में भी वह रहते हैं तो वहां पर प्रधानमंत्री सड़क जाएगी। अभी 15 तारीख को ही प्रधानमंत्री ने लांच किया है, उन्होंने कहा जनजातियों को 2 लाख रूपये दिए जाएंगे, पहले 1 लाख 20 हजार रूपये मिलते थे। अब सरकार मकान बना कर दे रही है, उनके पास पानी पहुंच जाए, सड़क पहुंच जाए ऐसे लोगों को सरकार ने चिन्हित किया है।

# पूर्व विश्व पोल वॉल्ट चैंपियन शॉन बार्बर का 29 साल की उम्र में निधन

**इंटरनेशनल डेस्क:** कनाडा के पूर्व विश्व पोल वॉल्ट चैंपियन शॉन बार्बर का 29 वर्ष की आयु में चिकित्सीय जटिलताओं के कारण निधन हो गया है। उनके एजेंट पॉल डॉयल ने बताया कि बार्बर की बुधवार को किंगवुड, टेक्सास में घर पर मृत्यु हो गई। उनकी मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।बार्बर ने बीजिंग में 2015 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता, उसी वर्ष पैन अमेरिकन गेम्स जीता और रियो 2016 ओलंपिक में 10वें स्थान पर रहे। 6.00 मीटर की उनकी सर्वश्रेष्ठ छलांग जनवरी 2016 में लगाई गई थी और यह एक कनाडाई रिकॉर्ड बना हुआ है। डॉयल ने गुरुवार को कहा, एक अविश्वसनीय एथलीट से भी अधिक, शॉन एक ऐसे अच्छे दिल वाले व्यक्ति थे जो हमेशा दूसरों को खुद से आगे रखते थे। इतनी कम उम्र में इतने अच्छे इंसान को खोना दुखद है। बार्बर, जिनके पास दोहरी कनाडाई-अमेरिकी नागरिकता थी, ने मौजूदा चैंपियन जर्मनी के राफेल होल्ज़डेप और फ्रांस के तत्कालीन विश्व रिकॉर्ड धारक रेनॉड लैविलीन को हराकर चीन में स्वर्ण पदक जीता। एथलेटिक्स कनाडा ने एक्स पर पोस्ट किया, कनाडाई पोल वाल्टर - 2015 विश्व चैंपियन, रियो 2016 ओलंपियन और कनाडाई रिकॉर्ड धारक शॉन बार्बर के परिवार और दोस्तों के प्रति हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं।

# अयोध्या: गर्भगृह में विराजमान रामलला की पहली तस्वीर आई सामने

**अरुण योगीराज ने तैयार की है प्रतिमा**

नेशनल डेस्क: रामलला के मूर्ति की पहली एक्सक्लूसिव तस्वीर सामने आई है। इस तस्वीर में रामलला की मूर्ति को कमल के फूल पर विराजमान देखा जा सकता है। रामलला की मूर्ति की पहली तस्वीर 5 वर्ष के बालरूप में है। बता दें कि आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है जिसकी तैयारियां जोरों पर है। यह मूर्ति मैसूर स्थित मूर्तिकार अरुण योगीराज ने बनाई है। 51 इंच की रामलला की मूर्ति को कल रात मंदिर में लाया गया था। बताते चलें कि प्राण प्रतिष्ठा से पहले रामलला की मूर्ति की पहली तस?वीर सामने आई है। अयोध्या में 16 जनवरी से अलग अलग विधि विधान से अनुष्ठान शुरू हो गए हैं। इससे पहले रामलला की मूर्ति को मंदिर परिसर में भ्रमण कराया गया। भगवान रामलला के विग्रह को पूरे विधि विधान से मंदिर परिसर में लाया गया। अयोध्या स्थित राम मंदिर में आगामी 22 जनवरी को होने वाले अभिषेक समारोह से पहले भगवान राम की नई मूर्ति गुरुवार की दोपहर राम जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में रखी गई।

**महाराष्ट्र समेत तीन राज्यों के दौरे पर पीएम मोदी**

# चेन्नई में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का करेंगे उद्घाटन

**चेन्नई**-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु का दौरा करेंगे। इस दौरान वह कई कार्यक्रमों में शामिल होने के साथ चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 का उद्घाटन करेंगे। पीएम मोदी सुबह लगभग 10ः45 बजे महाराष्ट्र के सोलापुर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी सोलापुर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र में लगभग 2,000 करोड़ रुपये की आठ अमृत परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और महाराष्ट्र में पीएमएवाई-शहरी के तहत बनाए गए 90,000 से अधिक घर सौंपेगे। इसके अलावा, वह सोलापुर में रायनगर हाउसिंग सोसाइटी के 15,000 घर भी सौंपेगे, जिनके लाभार्थियों में हजारों हथकरघा श्रमिक, विक्रेता, पावरलूम श्रमिक, कचरा बीनने वाले, बीड़ी श्रमिक, ड्राइवर और अन्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री कार्यक्रम के दौरान महाराष्ट्र में पीएम-स्वनिधि के 10,000 लाभार्थियों को पहली और दूसरी किस्त भी जारी करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी दोपहर लगभग 2ः45 बजे कर्नाटक के बेंगलुरु पहुंचेंगे। यहां वह बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सेंटर का उद्घाटन शुभारंभ करेंगे। 1,600 करोड़ रुपये के निवेश से बना यह परिसर 43 एकड़ क्षेत्र में फैला है और अमेरिका के बाहर बोइंग का सबसे बड़ा निवेश है। बोइंग का यह परिसर वैश्विक एयरोस्पेस व रक्षा उद्योग के लिए अगली पीढ़ी के उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने में मदद करेगा। पीएम मोदी यहां बोइंग सुकन्या कार्यक्रम की भी शुरुआत करेंगे जिसका उद्देश्य विमानन क्षेत्र में लड़कियों की भागीदारी का समर्थन करना है। चेन्नई में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन इसके बाद, प्रधानमंत्री मोदी शाम लगभग छह बजे तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई पहुंचेंगे और जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। पीएम मोदी की यात्रा के मद्देनजर चेन्नई में 22,000 पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है।

# पाकिस्तान-ईरान के बीच बढ़ते तनाव से परेशान दुनिया, अमेरिका ने कही ये बात

**वॉशिंगटन**-पाकिस्तान और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से दुनिया के कई देश चिंतित हैं। अमेरिका ने भी बढ़ते तनाव पर चिंता जाहिर की है और दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने गुरुवार को अपने बयान में कहा कि हम क्षेत्र में बढ़ रहे तनाव से चिंतित हैं। हमने इस बारे में कई बार कहा है कि 7 अक्तूबर की घटना के बाद से लड़ाई बढ़ने की आशंका से चिंतित हैं।% मिलर ने कहा कि %यही वजह है कि हम लगातार कूटनीतिक कोशिशों के जरिए तनाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका ने पाकिस्तान सरकार के मिलकर मुद्दे सुलझाने के बयान की तारीफ की और कहा कि लड़ाई को बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है।

**संघीय डिजिटल मुद्रा का नहीं होने देंगे निर्माण**

# पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का संकल्प

**वॉशिंगटन**-आयोवा कॉकस के मतदान में जीत दर्ज करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप और उनके समर्थक उत्साहित हैं। अब उनकी निगाहें न्यू हैंपशायर में होने वाले कॉकस चुनाव पर लगी हैं। यहां एक रैली में डोनाल्ड ट्रंप ने संघीय डिजिटल मुद्रा के निर्माण को रोकने का संकल्प लिया है। उन्होंने इसे स्वतंत्रता के लिए खतरनाक खतरा बताया। **आपके राष्ट्रपति के रूप में...** न्यू हैंपशायर के पोर्ट्समाउथ में एक रैली में ट्रंप ने कहा, आज रात, मैं अमेरिकियों को सरकारी अत्याचार से बचाने का एक और वादा कर रहा हूं। आपके राष्ट्रपति के रूप में, मैं कभी भी केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा के निर्माण की अनुमति नहीं दूंगा। पैसे पर सरकार का नियंत्रण होगा उन्होंने आगे कहा, इस तरह की मुद्रा से आपके पैसे पर सरकार का नियंत्रण होगा। वे आपके पैसे ले सकती हैं। आपको इसका पता भी नहीं चलेगा कि पैसे निकल गए। यह स्वतंत्रता के लिए एक बड़ा खतरा होगा। नियमित डॉलर की तरह किया जा सकता है इस्तेमाल एक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा एक केंद्रीय बैंक द्वारा जारी मुद्रा का एक डिजिटल संस्करण है। रिपोर्ट के अनुसार, इस निर्णय के तहत अमेरिका का फेडरल रिजर्व एक डिजिटल डॉलर जारी करेगा, जिसका उपयोग नियमित डॉलर की तरह ही किया जा सकता है। न्यू हैंपशायर में ट्रंप पर भारी पड़ सकती हैं हेली गौरतलब है, न्यू हैंपशायर में 23 जनवरी को मतदान होना है। एक ताजा पोल में दावा किया जा रहा है कि न्यू हैंपशायर में डोनाल्ड ट्रंप और निक्की हेली के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है क्योंकि पोल के अनुसार, दोनों को राज्य में 40-40 फीसदी वोट मिल सकते हैं। न्यू हैंपशायर के गवर्नर क्रि स सुनुनु निक्की हेली का समर्थन कर रहे हैं, ऐसे में राज्य में ट्रंप को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। डोनाल्ड ट्रंप ने 15 जनवरी को हुए आयोवा कॉकस के चुनाव में जीत दर्ज की थी और उन्हें 51 प्रतिशत वोट मिले थे। रोन देसांतिस को 21 प्रतिशत और निक्की हेली को 19 प्रतिशत लोगों ने वोट किया था। विवेक रामास्वामी, जो अब राष्ट्रपति पद की रेस से बाहर हो चुके हैं, उन्हें 7 फीसदी मतों से संतोष करना पड़ा था। हाल के दिनों में निक्की हेली की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

# अब्दुल्ला बोले- सीट बंटवारे पर देरी गठबंधन के लिए खतरा

**नई दिल्ली**-नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि अगर सीट बंटवारे पर जल्द सहमति नहीं बनी तो इंडिया ब्लॉक के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्य एक अलग समूह बनाने की कोशिश कर सकते हैं। एक चैनल पर चर्चा के दौरान पूर्व सीएम ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए बहुत कम समय बचा है और अब आम सहमति बन जानी चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा, अगर हमें देश को बचाना है तो मतभेदों को भुलाकर देश के बारे में सोचना होगा। संभव है कि कुछ लोग एक साथ आकर अलग गठबंधन बना लें, जो मुझे सबसे बड़ा खतरा लगता है। अभी भी समय है हमें सीट बंटवारे पर गंभीरता से विचार कर आम सहमति बनानी होगी। अब्दुल्ला ने कहा कि पार्टियों को सिर्फ वहीं सीटें मांगनी चाहिए जहां उनका दबदबा है और जहां वे प्रभावी नहीं हैं वहां सीटें मांगना गलत है। उन्होंने कहा कि खतरे में पड़ा गणतंत्र ही नहीं आने वाली पीढ़ी भी हमें माफ नहीं करेगी। हमारे सामने यह बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, अगर हम अपने अहंकार को छोड़कर एक साथ मिलकर यह नहीं सोचते कि इस देश को कैसे बचाया जाए, तो मुझे लगता है कि यह हमारी ओर से सबसे बड़ी गलती होगी। अब्दुल्ला ने कहा कि पिछली बार तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी वाम दलों के साथ सीटें साझा करने के लिए तैयार नहीं थीं लेकिन इस बार उन्होंने पेशकश की है कि वाम दल वहां से चुनाव लड़ सकते हैं जहां से वह जीत सकते हैं। लोग उनके खिलाफ बयान जारी कर मतभेद बढ़ा रहे हैं।

# घटिया रडार सिस्टम, ईरान पर चुप्पी...चीन की हरकत से नाराज पाकिस्तान

**इंटरनेशनल डेस्क:** पाकिस्तान चीन से नाराज बताया जा रहा है। वजह है ईरान हमले पर चीन की कोई प्रतिक्रिया नहीं आना। दरअसल, ईरान ने मंगलवार को पाकिस्तान में स्थित आतंकी संगठनों पर ड्रोन अटैक किया था। इसके बाद अमेरिका समेत कई देशों ने ईरान के हमले की निंदा की लेकिन चीन ने इस मामले पर चुप्पी साध ली है। इतना ही नहीं चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए गए इंटरसेप्ट रडार भी ईरान के ड्रोन को कैप्चर नहीं कर पाए। घटिया क्वालिटी के रडार सिस्टम से भी पाकिस्तान नाराज बताया जा रहा है। ऐसा पहली बार नहीं है कि चीन द्वारा पाकिस्तान को दिए गए रडार फेल हुए हैं। पहले भी कई मौकों पर चीन के रडार धोखा दे चुके हैं। साल 2022 में राजस्थान बॉर्डर पर गलती से पाकिस्तान में ब्रह्मोस मिसाइल फायर हुई थी। लेकिन चीन के रडार उसे भी इंटरसेप्ट करने में विफल रहे थे। ईरान-पाकिस्तान के बीच तनाव वहीं अब चीन ने बीते दो दिनों में पाकिस्तान और ईरान द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ मिसाइल हमले किये जाने के बाद दोनों देशों के बीच उपजे तनाव को घटाने में रचनात्मक भूमिका निभाने की पेशकश की है। चीन ने दोनों देशों से ''संयम बरतने और टकराव टालने को कहा है। पाकिस्तान ने ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में, कथित आतंकी ठिकानों पर गुरूवार तड़के हमले किये, जिनमें नौ लोग मारे गए। ये हमले, पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को सुन्नी बलूच चरमपंथी समूह 'जैश-अल-अदल% के दो ठिकानों को निशाना बना कर किये गये ईरान के मिसाइल एवं ड्रोन हमलों के बाद किये गए। इस घटनाक्रम ने चीन को असमंजस की स्थिति में डाल दिया है क्योंकि पाकिस्तान उसका करीबी मित्र है जबकि ईरान ने हाल के वर्षों में पश्चिम एशिया क्षेत्र में चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने में मदद की है। चीन, ईरान से काफी मात्रा में तेल का भी आयात करता है। चीन के विदेश मंत्रालय को पता नहीं चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने प्रेस वार्ता में कहा, ''क्या आप कह रहे हैं पाकिस्तान ने ईरान पर हमले किए? मैं इससे अवगत नहीं हूं। उनसे यह पूछा गया था कि क्या चीन, ईरान के अंदर पाकिस्तान के हवाई हमलों से वाकिफ है। माओ ने कहा, ''लेकिन हम इस पर गौर कर रहे हैं और चीन का हमेशा से मानना रहा है कि देशों के बीच संबंधों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के उद्देश्यों एवं सिद्धांतों के आधार पर संभाला जाना चाहिए। माओ निंग ने कहा कि सभी देशों की संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान और सुरक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''ईरान और पाकिस्तान करीबी पड़ोसी और प्रभाव रखने वाले देश हैं। हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष संयम और शांति बरतेंगे तथा तनाव बढ़ाने से दूर रहेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो हम स्थिति को सामान्य करने में रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान के एक पत्रकार द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या चीन, सुन्नी चरमपंथी समूह जैश-अल-अदल के एक शिविर पर ईरान के हवाई हमले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों एवं अंतराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन मानता है, माओ ने कहा, ''मैंने अभी-अभी चीन का रुख जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि दोनों पक्ष अपने विवादों का हल परामर्श और वार्ता के जरिये करेंगे। चीन की मध्यस्थता की पेशकश एक कठिन राह हो सकती है क्योंकि सुन्नी बहुल देश पाकिस्तान और मुख्य रूप से शिया बहुल ईरान के बीच अच्छे संबंध नहीं हैं।

# पहले मोमोज खाने को लेकर हुए झगड़े ने दो छात्रों को पहुंचाया जेल

**नेशनल डेस्क:** मोमोज पहले कौन खाएगा इस बात को लेकर हुए झगड़े ने ग्रेटर नोएडा के दो कॉलेज छात्रों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। पुलिस के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बुधवार रात को अल्फा दो बाजार में हुई। स्थानीय पुलिस के एक अधिकारी कहा कि दोनों छात्र मोमोज के ठेले पर पहुंचे और अपने-अपने ऑर्डर दिए। उन्होंने कहा, जल्द ही एक प्लेट आ गया लेकिन उनके बीच बहस शुरू हो गई क्योंकि दोनों ने दावा किया कि यह उनका ऑर्डर था। अधिकारी ने बताया कि बहस के बाद झगड़ा होने लगा और जल्द ही कुछ और युवक भी झगड़े में शामिल हो गए और मारपीट होने लगी। सूचना पर मौके पर पहुंची स्थानीय बीटा 2 थाने की पुलिस ने दोनों छात्रों को हिरासत में लिया और उन्हें थाने ले जाकर हवालात में बंद कर दिया। बीटा-दो थाने के प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने कहा कि उन्हें स्थानीय मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया जिन्होंने बृहस्पतिवार को उन्हें जमानत दे दी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569